DIGITAL RESOURCE CENTRE (DRC)

CENTRAL LIBRARY

PRESS CLIPPINGS

1-30 November

2024

CONTENT

S No	Title	Author	Newspaper	Page No.	Date of Publication
1.	आईएफटीएम में नेशनल यूनिटी डे के अवसर पर निकाली गई साईकिल रैली		विधान केसरी	8	01/11/2024
2.	आईएफटीएम में वनस्पति विज्ञान विभाग में हुआ फ्रेशर्स पार्टी आगाज का आयोजन		विधान केसरी	9	01/11/2024
3.	आईएफटीएम में एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस विषय पर आयोजित हुआ वेबिनार		विधान केसरी	10	01/11/2024
4.	विद्यार्थियों को दी क्लाउड कंप्यूटिंग की जानकारी		अमर उजाला	11	07/11/2024
5.	आईएफटीएम में 15 दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन		शाह टाइम्स	12	07/11/2024
6.	पंद्रह दिवसीय कार्यशाला का समापन		हिन्दुस्तान	13	07/11/2024
7.	आईएफटीएम में पुस्तक का किया विमोचन		हिन्दुस्तान	14	08/11/2024
8.	'द केमिस्ट्री कनेक्शनः फ्रॉम एटप्स टू एप्लीकेशंस 'पुस्तक का किया विमोचन		शाह टाइम्स ब्यूरो	15	08/11/2024
9.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने द केमिस्ट्री कनेक्शनः फ्रॉम एटम्स टू एप्लीकेशंस पुस्तक का किया विमोचन		युग बन्धु समाचार	16	08/11/2024
10.	आईएफटीएम के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने द् केमिस्ट्री कनेक्शनः फ्रॉम एटम्स टू एप्लीकेशंस पुस्तक का किया विमोचन		विधान केसरी	17	08/11/2024
11.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 'नेशनल एजुकेशन डे' मनाने के उपलक्ष्य में हुआ		शाह टाइम्स ब्यूरो	18	11/11/2024

	भाषण प्रतियोगिता का आयोजन				
12.	आईएफटीएम में नेशनल एजुकेशन डे के अवसर पर हुई प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता		विधान केसरी	19	11/11/2024
13.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में नेशनल एजुकेशन डे के अवसर पर आयोजित हुई प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता		युग बन्धु समाचार	20	11/11/2024
14.	यातायात नियमों का पालन करने की ली शपथ		अमर उजाला	21	12/11/2024
15.	आईएफटीएम में सड़क सुरक्षा शिक्षा' विषय पर जागरूकता सत्र का हुआ आयोजन		शाह टाइम्स ब्यूरो	22	12/11/2024
16.	नियम अपनाने से कम होंगे हादसे		हिन्दुस्तान	23	12/11/2024
17.	आईएफटीएम के छात्रों ने किया इंडस्ट्रियल भ्रमण		हिन्दुस्तान	24	13/11/2024
18.	आईएफटीएम की कबड्डी टीम नॉर्थ जोन इण्टर यूनिवर्सिटी कबड्डी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने हेतु जालंधर रवाना		विधान केसरी	25	13/11/2024
19.	आईएफटीएम के एग्रीकल्चर के विद्यार्थियों ने किया इंडस्ट्रियल भ्रमण		विधान केसरी	26	13/11/2024
20.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय के एग्रीकल्चर के विद्यार्थियों ने किया इंडस्ट्रियल भ्रमण		शाह टाइम्स ब्यूरो	27	13/11/2024
21.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय के एग्रीकल्चर के विद्यार्थियों ने किया इंडस्ट्रियल भ्रमण		युग बन्धु समाचार	28	13/11/2024
22.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय की कबड्डी टीम हयनॉर्थ जोन इण्टर यूनिवर्सिटी कबड्डी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने हेतु जालंधर रवाना		युग बन्धु समाचार	29	13/11/2024
23.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में हुआ एकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन		विधान केसरी	30	13/11/2024
24.	आईएफटीएम में हुआ 'एकल नृत्य		शाह टाइम्स ब्यूरो	31	13/11/2024

	प्रतियोगिता' का आयोजन				
25.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में हुआ एकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन		युग बन्धु समाचार	32	14/11/2024
26.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में बाल दिवस के अवसर पर टैलेंट हंट शो एवं हर बच्चे के लिए, हर अधिकार थीम पर का हुआ कार्यक्रमों का आयोजन		विधान केसरी	33	14/11/2024
27.	आईएफटीएम में बाल दिवस के अवसर पर ग्राम इटायला माफी में बच्चों को बांटे गए खिलौने		विधान केसरी	34	14/11/2024
28.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में बाल दिवस के अवसर पर टैलेंट हंट शो एवं हर बच्चे के लिए, हर अधिकार थीम पर का हुआ कार्यक्रमों का आयोजन		युग बन्धु समाचार	35	14/11/2024
29.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर हुआ जाग कार्यक्रम का आयोजन		युग बन्धु समाचार	36	14/11/2024
30.	आईएफटीएम में बाल दिवस के अवसर पर ग्राम इटायला माफी में बच्चों को बांटे गए खिलौने		युग बन्धु समाचार	37	14/11/2024
31.	डीएसए अंडर-16 क्रिकेट लीग 18 नवंबर से		अमर उजाला	38	16/11/2024
32.	गुड टच, बैड टच' के बारे में दी गई जानकारी		हिन्दुस्तान	39	19/11/2024
33.	आइएफटीएम विवि में अंडर-16 इंटर क्रिकेट लीग शुरू		दैनिक जागरण	40	19/11/2024
34.	छात्राओं को गुड और बैड टच के बारे में किया जागरूक		अमर उजाला	41	19/11/2024
35.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में गर्ल्स हेल्थ क्लब की ओर से 'गुड टच, बैड टच' विषय पर हुआ सत्र का आयोजन		शाह टाइम्स ब्यूरो	42	19/11/2024
36.	आईएफटीएम में गर्ल्स हेल्थ क्लब की		विधान केसरी	43	19/11/2024

	ओर से गुड टच, बैड टच विषय पर हुआ सत्र का आयोजन				
37.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में गर्ल्स हेल्थ क्लब की ओर से गुड टच, बैड टच विषय पर हुआ सत्र का आयोजन		युग बन्धु समाचार	44	19/11/2024
38.	बालिकाएं शिक्षित होंगी तो देश समृद्ध होगा		हिन्दुस्तान	45	20/11/2024
39.	फ्लैग डे-2024' के उपलक्ष्य में हुआ नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन		शाह टाइम्स ब्यूरो	46	20/11/2024
40.	आईएफटीएम में आयोजित हुआ 'वीमेन टू वीमेन टॉक शो'		शाह टाइम्स ब्यूरो	47	20/11/2024
41.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ वीमेन टू वीमेन टॉक शो		युग बन्धु समाचार	48	20/11/2024
42.	आईएफटीएम के फैकल्टी ऑफ फार्मेसी में हुआ फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन		विधान केसरी	49	20/11/2024
43.	आईएफटीएम में स्वस्थ खाओ, स्वस्थ रहो विषय पर हुआ दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन		विधान केसरी	50	20/11/2024
44.	आईएफटीएम में सांप्रदायिक सद्भाव अभियान सप्ताह के अंतर्गत हुआ कल्चरल ईव का आयोजन		विधान केसरी	51	20/11/2024
45.	संतुलित आहार अपनाने पर दिया जोर		हिन्दुस्तान	52	23/11/2024
46.	वसीम के 'पंच' से डीपीजीएस ने हासिल की जीत		दैनिक जागरण	53	23/11/2024
47.	आईएफटीएम के फैकल्टी ऑफ फार्मेसी में हुआ फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन		शाह टाइम्स ब्यूरो	54	23/11/2024
48.	आईएफटीएम में स्वस्थ खाओ, स्वस्थ रहो विषय पर हुआ दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन		विधान केसरी	55	24/11/2024
49.	आईएफटीएम में 'स्वस्थ खाओ, स्वस्थ रहो' विषय पर हुआ दो दिवसीय कार्यशाला		शाह टाइम्स ब्यूरो	56	24/11/2024

	का आयोजन				
50.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 'सांप्रदायिक सद्भाव अभियान सप्ताह' मनाए जाने के अंतर्गत हुआ विविध कार्यक्रमों का आयोजन		शाह टाइम्स ब्यूरो	57	24/11/2024
51.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 'सांप्रदायिक सद्भाव अभियान सप्ताह' मनाए जाने के अंतर्गत हुआ विविध कार्यक्रमों का आयोजन		युग बन्धु समाचार	58	24/11/2024
52.	स्प्रिंगफील्ड, आर्यन क्रिकेट एकेडमी जीते		हिन्दुस्तान	59	24/11/2024
53.	इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउमिनल और फार्मेसी संकाय के संयुक्त तत्वावधान में फील्ड वजिट का हुआ आयोजन		शाह टाइम्स ब्यूरो	610	24/11/2024
54.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूशन्स इन्नोवेशन काउंसिल और फामेर्सी संकाय के संयुक्त तत्वावधान में फील्ड विजिट का हुआ आयोजन		युग बन्धु समाचार	61	27/11/2024
55.	आईएफटीएम विवि को मिला सम्मान		अमर उजाला	62	27/11/2024
56.	आइएफटीएम विवि के कुलपति सम्मानित		दैनिक जागरण	63	27/11/2024
57.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय के कुलपति दुबई में सम्मानित		विधान केसरी	64	27/11/2024
58.	आईएफटीएम विवि के कुलपति दुबई में सम्मानित		हिन्दुस्तान	65	27/11/2024
59.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय के कुलपति दुबई में सम्मानित		शाह टाइम्स ब्यूरो	66	27/11/2024
60.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय के कुलपति दुबई में सम्मानित		युग बन्धु समाचार	67	27/11/2024
61.	आईएफटीएम में मनाया गया संविधान दिवस		हिन्दुस्तान	68	28/11/2024
62.	सामान्य दस्तावेज नहीं मार्गदर्शन ग्रंथ है संविधान		अमर उजाला	69	28/11/2024

63.	**आईएफटीएम में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया संविधान दिवस**		**विधान केसरी**	**70**	**28/11/2024**
64.	**आईएफटीएम विश्वविद्यालय में प्रॉब्लम सॉल्विंग एंड आइडिएशन विषय पर हुआ कार्यशाला का आयोजन**		**विधान केसरी**	**71**	**28/11/2024**
65.	**आईएफटीएम में फाइनेंशियल प्लानिंग एंड कैपिटल मार्केट्स विषय पर हुआ कार्यशाला का आयोजन**		**विधान केसरी**	**72**	**28/11/2024**
66.	**आईएफटीएम में फाइनेंशियल प्लानिंग एंड कैपिटल मार्केट्स विषय पर हुआ कार्यशाला का आयोजन**		**युग बन्धु समाचार**	**73**	**28/11/2024**
67.	**आईएफटीएम विश्वविद्यालय में प्रॉब्लम सॉल्विंग एंड आइडिएशन विषय पर हुआ कार्यशाला का आयोजन**		**युग बन्धु समाचार**	**74**	**28/11/2024**
68.	**आईएफटीएम विश्वविद्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया संविधान दिवस**		**युग बन्धु समाचार**	**75**	**28/11/2024**

विधान केसरी मुराद

आईएफटीएम में नेशनल यूनिटी डे के अवसर पर निकाली गई साईकिल रैली

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 9 यूपी गर्ल्स बटालियन एनसीसी की ओर से वन नेशन, वन विजन, वन इंडिया का संदेश देने के उद्देश्य से नेशनल यूनिटी डे के अवसर साइकिल रैली निकाली गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह दिन स्वतंत्रता संग्राम के महानायक और भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के रूप में मनाया जाता है, जिन्होंने स्वतंत्र भारत को एक अखंड राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने यह भी कहा कि नेशनल यूनिटी डे मनाने का उद्देश्य देश के युवाओं को एकता, समर्पण और सामूहिकता के मूल्यों के प्रति जागरूक करना है। इस दिन सभी जातियों, धर्मों, और भाषाओं के लोग अपने मतभेदों को भुलाकर राष्ट्र के प्रति अपने प्रेम और निष्ठा को प्रदर्शित करते हैं। राष्ट्रीय एकता दिवस हमें यह भी सिखाता है कि हम सभी एक ही देश के नागरिक हैं और हममें एकता होनी चाहिए, चाहे हमारी संस्कृतियां, भाषा या धर्म अलग-अलग हों। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्रा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इस दिन का उद्देश्य देश के युवाओं को एकता, समर्पण और सामूहिकता के मूल्यों के प्रति जागरूक करना है।

इस मौके पर एनएसएस इकाई के समन्वयक प्रो. बी.के. सिंह समेत विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशकों, शिक्षकों और एनसीसी की कैडेट्स ने बढ-चढ़कर अत्यंत उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। रैली के सफल आयोजन में एनसीसी केयर टेकर सुश्री रश्मि पांडेय की विशेष भूमिका रही।

आईएफटीएम में वनस्पति विज्ञान विभाग में हुआ फ्रेशर्स पार्टी आगाज का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ साइंसेज के वनस्पति विज्ञान विभाग में एम०एस०सी०, द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं के लिए फ्रेशर्स पार्टी आगाज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो० बी०के० सिंह ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्पार्पण कर किया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का अनुभव जीवन को नई दिशा प्रदान करता है। वनस्पति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ० देश दीपक ने सभी नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं का स्वागत किया व उन्हें उनके उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने विभिन्न मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनमें एम०एस०सी०, द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा सोलो सिंगिंग परफार्मेंस, डांस परफार्मेंस, एवं गीत आदि की प्रस्तुतियां दी गयी। कार्यक्रम का संचालन एम०एस०सी० द्वितीय वर्ष की छात्रा वर्णिमा एव गुंजन मोहर ने किया। इस दौरान नियंता सदस्या डॉ० रिद्धि गर्ग, जन्तुविज्ञान विभाग की अध्यक्षा डॉ० स्मिता ज्योति, डॉ० अशोक कुमार, डॉ० पूजा नारंग, डॉ० समीर चंद्रा समेत वनस्पति विज्ञान विभाग के अन्य सभी शिक्षकगण भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आशीष कुमार, मौ० निजाम, सुहानी पाल, अर्चना, तनु गंगवार आदि विद्यार्थियों का विशेष सहयोग रहा।

आईएफटीएम में एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस विषय पर आयोजित हुआ वेबिनार

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आईएफटीएम यूनिवर्सिटी एलुमिनाई एसोसिएशन (आईयूएए) द्वारा स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के सहयोग से एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने वेबिनार के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। विश्वविद्यालय की पीएच.डी-बायोटेक्नोलॉजी की पूर्व शोधार्थी व वर्तमान में डॉ. आशीष पैरामेडिकल एंड नर्सिंग कॉलेज, देवरिया, उत्तर प्रदेश में असिस्टेंट प्रोफेसर व सीनियर एडमिनिस्टर के पद पर कार्यरत डॉ. बिंदु सती वेबिनार में एमिनेंट स्पीकर के रूप में रहीं। वेबिनार के दौरान डॉ. बिंदु सती ने बताया कि बायोटेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों के लिए मेडिकल इंडस्ट्री में करियर की असीम संभावनाएं हैं, लेकिन उन्हें इंडस्ट्री की डिमांड के अनुसार अपने आपको तैयार करना होगा। इस मौके पर आईयूएए के अध्यक्ष व परीक्षा नियंत्रक प्रो. अनुज श्रीवास्तव ने वेबिनार के दौरान अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध कराने हेतु एलुम्ना व एमिनेंट स्पीकर डॉ. सती की सराहना करने के साथ ही उन्होंने उनकी सफलता के लिए उन्हें बधाई दी। प्रो. श्रीवास्तव ने यह भी कहा कि सफल विद्यार्थी शिक्षण संस्थानों के लिए ब्रांड एम्बेसडर की तरह होते हैं। वेबिनार के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. तंजील अहमद ने डॉ. सती समेत अन्य सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के सह अध्यक्ष व बायोटेक्नोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. स्वप्न कुमार श्रीवास्तव ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए बताया कि यह वेबिनार विद्यार्थियों के लिए बेहद लाभदायी सिद्ध होगा। उन्होंने जानकारी दी कि इस वेबिनार में एमटेक (बायोटेक), बीटेक, (बायोटेक), बी.एससी व एमएससी (बायोटेक/माइक्रोबायोलॉजी/फूड टेक्नोलॉजी) पाठ्यक्रमों के 100 से अधिक प्रतिभागी विद्यार्थियों समेत स्कूल के शिक्षक भी मौजूद रहे। वेबिनार के सफल आयोजन में आयोजन सचिव डॉ. उत्कर्ष त्यागी, सुश्री कंचन लखेरा समेत आयोजन समिति के अन्य सदस्यों की विशेष भूमिका रही।

अमर उजाला

amarujala.com

मुरादाबाद | बृहस्पतिवार, 7 नवंबर 2024

7

विद्यार्थियों को दी क्लाउड कंप्यूटिंग की जानकारी

मुरादाबाद। आईएफटीआईएम विश्वविद्यालय में आईसीटी एकेडमी द्वारा इंफोसिस फाउंडेशन के सहयोग से अमेजन वेब सर्विसेज क्लाउड प्रैक्टिशनर विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। विद्यार्थी इंडस्ट्री में चल रहे अद्यतन ट्रेंड को आसानी से समझ पाएंगे। विद्यार्थियों को रोजगार दिलाने के उद्देश्य से यह कार्यशाला लाभकारी साबित होगी। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. मनोज कुमार ने बताया कि इस कार्यशाला में एडब्ल्यूएस सॉल्यूशन आर्किटेक्ट एसोसिएट सर्टिफिकेशन ट्रेनिंग के अंतर्गत क्लाउड कंप्यूटिंग विषय को केंद्रित किया गया। संवाद

आईएफटीएम में 15 दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

शाह टाइम्स संवाददाता

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्व विद्यालय में आईसीटी अकेडमी द्वारा इंफोसिस फाउंडेशन के सहयोग से इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों हेतु ''फिनिशिंग स्कूल ऑफ एम्प्लॉयबिलिटी'' के प्रावधान के अंतर्गत ''अमेजन वेब सर्विसेज क्लाउड प्रैक्टिशनर'' विषय पर चल रही 15 दिवसीय कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यशाला में प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रो. अग्रवाल ने कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी तथा विद्यार्थी इंडस्ट्री में चल रहे अद्यतन ट्रेंड को आसानी से समझ पाएंगे। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इस कार्यशाला में प्रतिभागी विद्यार्थियों को रोजगार प्राप्त करने की दृष्टि से यह कार्यशाला अत्यंत लाभदायी सिद्ध होगी। कार्यशाला के दौरान आईसीटी अकेडमी के रिलेशनशिप मैनेजर व प्रशिक्षक श्री सत्येन्द्र नारायण ने अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. मनोज कुमार ने बताया कि इस कार्यशाला में एडब्ल्यूएस सॉल्यूशन आर्किटेक्ट एसोसिएट सर्टिफिकेशन ट्रेनिंग के अंतर्गत क्लाउड कम्प्यूटिंग विषय को फोकस किया गया। विश्वविद्यालय की ओर से सभी अतिथियों को प्रतीक-चिन्ह भेंट करने के साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इस कार्यशाला में प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थियों का गहनता के साथ मूल्यांकन करने के उपरान्त सफल रहे विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अर्कजा

सिंह ने किया। कार्यशाला के सफल समापन में क्लाउड डेवलपमेंट वेव ऑपरेशंस इंजीनियर और कार्पोरेट ट्रेनर श्री वैभव वेद, कारपोरेट ट्रेनर व माइंडसेट कोच आशुतोष वत्सल, आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. आर.के. यादव, डॉ. शैली भारद्वाज, श्री मुनीश कुमार, सुश्री अंखी गुलाटी आदि फैकल्टी मैम्बर्स का विशेष योगदान रहा। कार्यशाला के दौरान इंजीनियरिंग की विभिन्न ब्रांचों के 65 प्रतिभागी विद्यार्थियों के अतिरिक्त स्कूल के कई शिक्षक भी उपस्थित रहे।

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, गुरुवार, 7 नवंबर 2024 06

आईएफटीएम में आयोजित कार्यशाला के समापन के दौरान मौजूद शिक्षक और विद्यार्थी।

पंद्रह दिवसीय कार्यशाला का समापन

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में बुधवार को अमेजन वेब सर्विसेज क्लाउड प्रैक्टिशनर विषय पर आयोजित पंद्रह दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कहा कार्यशाला विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। आईसीटी अकेडमी के रिलेशनशिप मैनेजर व प्रशिक्षक सत्येन्द्र नारायण ने जानकारी साझा की।

हिन्दुस्तान www.livehindustan.com

अपना मुरादाबाद

मुरादाबाद, शुक्रवार, 8 नवंबर 2024 05

आईएफटीएम में पुस्तक का किया विमोचन

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेंद्र प्रसाद पांडेय ने प्रो. सारिका अरोरा, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजन सिंह, सहायक प्रोफेसर डॉ. अमनप्रीत कौर द्वारा संयुक्त रूप से लिखित पुस्तक द केमिस्ट्री कनेक्शन : फ्रॉम एटम्स टू एप्लीकेशंस पुस्तक का गुरुवार को विमोचन किया। कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने सभी लेखकों को बधाई दी। यह पुस्तक न केवल वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देगी, बल्कि विद्यार्थियों को नए शोध और नवाचार को प्रेरित करेगी।

● आईएफटीएम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने

'द केमिस्ट्री कनेक्शन: फ्रॉम एटम्स टू एप्लीकेशंस' पुस्तक का किया विमोचन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने प्रो. सारिका अरोरा, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजन सिंह एवं असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अमनप्रीत कौर द्वारा संयुक्त रूप से लिखित पुस्तक "द केमिस्ट्री कनेक्शन: फ्रॉम एटम्स टू एप्लीकेशंस" पुस्तक का अपने कर-कमलों द्वारा विमोचन किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. पाण्डेय ने लेखकों को बधाई देते हुए कहा कि यह पुस्तक विज्ञान के विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होगी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने भी पुस्तक के सभी लेखकों को बधाई दी व कहा कि यह पुस्तक रसायन शास्त्र के क्षेत्र में एक अनमोल संसाधन साबित हो सकती है। पुस्तक में रसायन विज्ञान के सिद्धांतों को मात्र परमाणुओं तक सीमित न रखते हुए उनके व्यावहारिक उपयोगों पर भी जोर दिया गया है। यह पुस्तक न केवल वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देगी, बल्कि विद्यार्थियों को नए शोध और नवाचार की ओर प्रेरित करेगी। इस अवसर पर स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने भी सभी लेखकों को बधाई देते हुए कहा कि यह पुस्तक रसायन विज्ञान को एक नए दृष्टिकोण से समझने में सहायक सिद्ध होगी। प्रो. सिंह ने इस पुस्तक को विज्ञान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान बताया और कहा कि ऐसी पुस्तकों से विद्यार्थियों को शैक्षिक लाभ मिलने के साथ-साथ वे इन्हें अपने जीवन में भी प्रयोगात्मक रूप से उतार सकेंगे। इसी कड़ी में उन्होंने यह भी बताया पुस्तक में परमाणु के मूलभूत सिद्धांतों से लेकर आधुनिक युग में इसके विभिन्न अनुप्रयोगों तक के बारे में विस्तार से चर्चा की गई है। इस अवसर पर प्रतिकुलपति- एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति- एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति रिसर्च एंड डेवलपमेंट-प्रो. नवनीत वर्मा ने भी पुस्तक के सभी लेखकों को बधाई देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। प्रो. वर्मा ने बताया कि इस पुस्तक का उद्देश्य रसायन विज्ञान के जटिल सिद्धांतों को सरल भाषा में प्रस्तुत करना और विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं व विज्ञान के प्रति रुचि रखने वाले व्यक्तियों को इसके गहरे पहलुओं से जोड़ना है। अध्यापन के क्षेत्र में प्रो. सारिका अरोरा का 25 वर्षों का अनुभव होने के साथ ही उनके राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जर्नल्स में

20 से अधिक शोध पत्र तथा 13 पेटेंट्स भी प्रकाशित हो चुके हैं। प्रो. अरोड़ा के निर्देशन में तीन शोधार्थियों को पीएच.डी की डिग्री प्राप्त हो चुकी है एवं वर्तमान में 6 शोधार्थी शोध कर रहे हैं। प्रो. सारिका अरोरा, डॉ. राजन सिंह, डॉ. अमनप्रीत की इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के समस्त स्कूलों के निदेशकों एवं शिक्षकों ने भी उन्हें बधाई दी। प्रो. सारिका अरोरा ने बताया कि इस पुस्तक का उद्देश्य रसायन शास्त्र के जटिल पहलुओं को समझाना और हमारे दैनिक जीवन में इसके अनुप्रयोगों को समझना है। उन्होंने यह भी बताया कि रू० 1000/- मूल्य की यह पुस्तक सभी पुस्तकालयों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध रहेगी, ताकि सभी विद्यार्थी व शोधार्थी इसका लाभ उठा सकेंगे।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने द केमिस्ट्री कनेक्शनः फ्रॉम एटम्स टू एप्लीकेशंस पुस्तक का किया विमोचन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने प्रो. सारिका अरोरा, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजन सिंह एवं असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अमनप्रीत कौर द्वारा संयुक्त रूप से लिखित पुस्तक द केमिस्ट्री कनेक्शनः फ्रॉम एटम्स टू एप्लीकेशंस पुस्तक का अपने कर-कमलों द्वारा विमोचन किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. पाण्डेय ने लेखकों को बधाई देते हुए कहा कि यह पुस्तक विज्ञान के विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होगी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने भी पुस्तक के सभी लेखकों को बधाई दी व कहा कि यह पुस्तक रसायन शास्त्र के क्षेत्र में एक अनमोल संसाधन साबित हो सकती है। पुस्तक में रसायन विज्ञान के सिद्धांतों को मात्र परमाणुओं तक सीमित न रखते हुए उनके व्यावहारिक उपयोगों पर भी जोर दिया गया है। यह पुस्तक न केवल वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देगी, बल्कि विद्यार्थियों को नए शोध और नवाचार की ओर प्रेरित करेगी। इस अवसर पर स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने भी सभी लेखकों को बधाई देते हुए कहा कि यह पुस्तक रसायन विज्ञान को एक नए दृष्टिकोण से समझने में सहायक सिद्ध होगी। प्रो. सिंह ने इस पुस्तक को विज्ञान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान बताया और कहा कि ऐसी पुस्तकों से विद्यार्थियों को शैक्षिक लाभ मिलने के साथ-साथ वे इन्हें अपने जीवन में भी प्रयोगात्मक रूप से उतार सकेंगे। इसी कड़ी में उन्होंने यह भी बताया पुस्तक में परमाणु के मूलभूत सिद्धांतों से लेकर आधुनिक युग में इसके विभिन्न अनुप्रयोगों तक के बारे में विस्तार से चर्चा की गई है।

इस अवसर पर प्रतिकुलपति-एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति-एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति रिसर्च एंड डेवलपमेंट- प्रो. नवनीत वर्मा ने भी पुस्तक के सभी लेखकों को बधाई देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। प्रो. वर्मा ने बताया कि इस पुस्तक का उद्देश्य रसायन विज्ञान के जटिल सिद्धांतों को सरल भाषा में प्रस्तुत करना और विद्यार्थियों, शोधकताओं व विज्ञान के प्रति रुचि रखने वाले व्यक्तियों को इसके गहरे पहलुओं से जोड़ना है। अध्यापन के क्षेत्र में प्रो. सारिका अरोरा का 25 वर्षों का अनुभव होने के साथ ही उनके राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जर्नल्स में 20 से अधिक शोध पत्र तथा 13 पेटेंट्स भी प्रकाशित हो चुके हैं। प्रो. अरोड़ा के निर्देशन में तीन शोधार्थियों को पीएच.डी की डिग्री प्राप्त हो चुकी है एवं वर्तमान में 6 शोधार्थी शोध कर रहे हैं। प्रो. सारिका अरोरा, डॉ. राजन सिंह, डॉ. अमनप्रीत की इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के समस्त स्कूलों के निदेशकों एवं शिक्षकों ने भी उन्हें बधाई दी। प्रो. सारिका अरोरा ने बताया कि इस पुस्तक का उद्देश्य रसायन शास्त्र के जटिल पहलुओं को समझाना और हमारे दैनिक जीवन में इसके अनुप्रयोगों को समझना है। उन्होंने यह भी बताया कि रू0 1000/- मूल्य की यह पुस्तक सभी पुस्तकालयों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध रहेगी, ताकि सभी विद्यार्थी व शोधार्थी इसका लाभ उठा सकेंगे। वि0

विधान केसरी
मुरादाबाद/कांठ/गज

आईएफटीएम के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने द् केमिस्ट्री कनेक्शन: फ्रॉम एटम्स टू एप्लीकेशंस पुस्तक का किया विमोचन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने प्रो. सारिका अरोरा, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजन सिंह एवं असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अमनप्रीत कौर द्वारा संयुक्त रूप से लिखित पुस्तक द केमिस्ट्री कनेक्शनः फ्रॉम एटम्स टू एप्लीकेशंस पुस्तक का अपने कर-कमलों द्वारा विमोचन किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. पाण्डेय ने लेखकों को बधाई देते हुए कहा कि यह पुस्तक विज्ञान के विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होगी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने भी पुस्तक के सभी लेखकों को बधाई दी व कहा कि यह पुस्तक रसायन शास्त्र के क्षेत्र में एक अनमोल संसाधन साबित हो सकती है। पुस्तक में रसायन विज्ञान के सिद्धांतों को मात्र परमाणुओं तक सीमित न रखते हुए उनके व्यावहारिक उपयोगों पर भी जोर दिया गया है। यह पुस्तक न केवल वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देगी, बल्कि विद्यार्थियों को नए शोध और नवाचार की ओर प्रेरित करेगी। इस अवसर पर स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह

ने भी सभी लेखकों को बधाई देते हुए कहा कि यह पुस्तक रसायन विज्ञान को एक नए दृष्टिकोण से समझने में सहायक सिद्ध होगी। प्रो. सिंह ने इस पुस्तक को विज्ञान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान बताया और कहा कि ऐसी पुस्तकों से विद्याथियों को शैक्षिक लाभ मिलने के साथ-साथ वे इन्हें अपने जीवन में भी प्रयोगात्मक रूप से उतार सकेंगे। इसी कड़ी में उन्होंने यह भी बताया पुस्तक में परमाणु के मूलभूत सिद्धांतों से लेकर आधुनिक युग में इसके विभिन्न अनुप्रयोगों तक के बारे में विस्तार से चर्चा की गई है। इस अवसर पर प्रतिकुलपति-एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति-एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति रिसर्च एंड डेवलपमेंट-प्रो. नवनीत वर्मा ने भी पुस्तक के सभी लेखकों को बधाई देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। प्रो. वर्मा ने बताया कि इस पुस्तक का उद्देश्य रसायन विज्ञान के जटिल सिद्धांतों को सरल भाषा में प्रस्तुत करना और विद्यार्थियों, शोधकताओं व विज्ञान के प्रति रुचि रखने वाले व्यक्तियों को इसके गहरे पहलुओं से जोड़ना है। अध्यापन के क्षेत्र में प्रो. सारिका अरोरा का 25 वर्षों का अनुभव होने के साथ ही उनके राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जर्नल्स में 20 से अधिक शोध पत्र तथा 13 पेटेंट्स भी प्रकाशित हो चुके हैं। प्रो. अरोड़ा के निर्देशन में तीन शोधार्थियों को पीएच.डी की डिग्री प्राप्त हो चुकी है एवं वर्तमान में 6 शोधार्थी शोध कर रहे हैं। प्रो. सारिका अरोरा, डॉ. राजन सिंह, डॉ. अमनप्रीत की इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के समस्त स्कूलों के निदेशकों एवं शिक्षकों ने भी उन्हें बधाई दी। प्रो. सारिका अरोरा ने बताया कि इस पुस्तक का उद्देश्य रसायन शास्त्र के जटिल पहलुओं को समझाना और हमारे दैनिक जीवन में इसके अनुप्रयोगों को समझना है। उन्होंने यह भी बताया कि रू0 1000/- मूल्य की यह पुस्तक सभी पुस्तकालयों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध रहेगी, ताकि सभी विद्यार्थी व शोधार्थी इसका लाभ उठा सकेंगे।

11.11.2024

● आईएफटीएम विश्वविद्यालय में

'नेशनल एजुकेशन डे' मनाने के उपलक्ष्य में हुआ भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) द्वारा स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज के सहयोग से "नेशनल एजुकेशन डे" मनाने के उपलक्ष्य में "इंडियन एजुकेशन सिस्टम इज प्रोवाइडिंग इन्क्ल्यूसिव एण्ड क्वालिटी एजुकेशन" विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। प्रो. अग्रवाल ने यह भी कहा कि शिक्षा का हम सभी के जीवन में विशेष महत्व है तथा शिक्षा हम सभी को संस्कारवान, आत्मनिर्भर और जीवन जीने की कला सिखाती है। आईआईसी के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. मनोज कुमार ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

स्कूल ऑफ एजूकेशन एंड ह्यूमैनिटीज के निदेशक प्रो. मोहन लाल 'आर्य' ने शिक्षा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है, इसलिए विद्यार्थियों को अधिक से अधिक परिश्रम करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के दौरान अनेक विद्यार्थियों ने भाषण के माध्यम से अपने विचार रखे। भाषण प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर बी.ए., प्रथम सेमेस्टर की छात्रा माहीन ने प्रथम, बी.ए., प्रथम सेमेस्टर के छात्र बंटी राजोरिया ने द्वितीय एवं बीए-बीएड, तृतीय सेमेस्टर की छात्रा प्रियांशी वशिष्ठ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आशुतोष शर्मा एवं डॉ. अरविन्द कुमार निर्णायक मंडल के सदस्य रहे। इस मौके पर आईआईसी के अध्यक्ष डॉ. कुमार ने भाषण प्रतियोगिता में विजेता रहे विद्यार्थियों के साथ अन्य सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. 'आर्य' एवं आईआईसी के समन्वयक डॉ. अतानु नाग एवं आयोजन सचिव डॉ. नितिन कुमार का महत्वपूर्ण रहा। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम में नेशनल एजुकेशन डे के अवसर पर हुई प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज की ओर से नेशनल एजुकेशन डे के अवसर पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यह भी कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के बेहतर मायने समझाने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाने चाहिए। प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर बीएड, प्रथम वर्ष के मयंक प्रताप सिंह प्रथम, बीएससी-बीएड प्रथम वर्ष के जितिन कुमार द्वितीय तथा बीएससी, द्वितीय वर्ष के राज शर्मा तृतीय स्थान पर रहे। शिक्षा विभाग की डॉ. बिंदु सिंह, डॉ. अरविंद कुमार तथा डॉ. राजकुमारी गोला निर्णायक मंडल के सदस्य रहे।

इस मौके पर कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज के निदेशक प्रो. मोहन लाल ह्यआर्यह्न ने सम्मानित करने के साथ-साथ सभी अन्य प्रतिभागियों का भी उत्साहवर्धन किया। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा हम सभी के जीवन को बेहतर बनाती है इसलिए विद्यार्थियों को शिक्षा के मूल्यों को समझना बेहद आवश्यक है, ताकि वे भविष्य में अच्छे समाज और राष्ट्र का निर्माण कर सकें। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष व संयोजक डॉ. आशुतोष शर्मा एवं आयोजन सचिव डॉ. नेहा शर्मा की विशेष भूमिका रही। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 70 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में नेशनल एजुकेशन डे के अवसर पर आयोजित हुई प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज की ओर से नेशनल एजुकेशन डे के अवसर पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यह भी कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के बेहतर मायने समझाने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाने चाहिए। प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर बीएड, प्रथम वर्ष के मयंक प्रताप सिंह प्रथम, बीएससी-बीएड प्रथम वर्ष के जितिन कुमार द्वितीय तथा बीएससी, द्वितीय वर्ष के राज शर्मा तृतीय स्थान पर रहे। शिक्षा विभाग की डॉ. बिंदु सिंह, डॉ. अरविंद कुमार तथा डॉ. राजकुमारी गोला निर्णायक मंडल के सदस्य रहे।

इस मौके पर कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज के निदेशक प्रो. मोहन लाल ह्यआर्यह्न ने सम्मानित करने के साथ-साथ सभी अन्य प्रतिभागियों का भी उत्साहवर्धन किया। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा हम सभी के जीवन को बेहतर बनाती है इसलिए विद्यार्थियों को शिक्षा के मूल्यों को समझना बेहद आवश्यक है, ताकि वे भविष्य में अच्छे समाज और राष्ट्र का निर्माण कर सकें। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष व संयोजक डॉ. आशुतोष शर्मा एवं आयोजन सचिव डॉ. नेहा शर्मा की विशेष भूमिका रही। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 70 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। वि०

अमर उजाला

मुरादाबाद | मंगलवार, 12 नवंबर 2024

5

यातायात नियमों का पालन करने की ली शपथ

मुरादाबाद। दिल्ली रोड स्थित आईएफटीएम विश्वविद्यालय में सोमवार को एसपी यातायात सुभाष चंद्र गंगवार ने 350 विद्यार्थियों को यातायात के नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई। इसके बाद उन्होंने यातायात के नियमों के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि जनपद में हर साल जितनी मृत्यु होती हैं, इनमें सबसे ज्यादा मृत्यु दुर्घटना के कारण होती हैं। यातायात नियमों का पालन करने से इन दुर्घटनाओं में कमी आ सकती है। इस दौरान टीआई अनुराधा सिंघल समेत अन्य भी मौजूद रहे। ब्यूरो

आईएफटीएम में 'सड़क सुरक्षा शिक्षा' विषय पर जागरूकता सत्र का हुआ आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई की ओर से ''सड़क सुरक्षा शिक्षा'' विषय पर एक जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने सत्र के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। जागरूकता सत्र के मुख्य अतिथि व मुरादाबाद के पुलिस अधीक्षक (यातायात) श्री सुभाष चंद्र गंगवार ने बताया कि ज्यादातर वाहन दुर्घटनाएं ओवर स्पीडिंग की वजह से होती हैं। उन्होंने कहा कि हत्या से पांच गुना ज्यादा मौतें वाहन दुर्घटनाओं से होती है, जो कि सोचने का विषय है। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए वाहन चालकों और राहगीरों को विभिन्न माध्यम से शिक्षित किया जाना आवश्यक है इसके अलावा यदि कोई यातायात के नियम तोड़ता है तो इसके लिए प्रवर्तन के माध्यम से जुर्माना लगाया जाता है। श्री गंगवार ने बताया कि फिटनेस प्रमाणपत्र, लाइसेंस, हेलमेट न होने और सीट बेल्ट न लगाने तथा शराब पीकर वाहन चलाने आदि के लिए जुर्माना लगाकर वाहन दुर्घटनाओं को रोकने का प्रयास किया जाता है। उन्होंने कहा कि क्षतिग्रस्त सड़कें और उनके निर्माण में हुई गलत इंजीनियरिंग भी दुर्घटनाओं को बढ़वा देती हैं। इसके अलावा पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए प्रदूषण उत्पन्न करने वाले वाहन नहीं चलाने चाहिए। श्री गंगवार ने बताया कि 2022 में 4,81,312 वाहन दुर्घटना हुई, जिनमें मृतकों की संख्या 168491 थी, जो कि एक चिंताजनक आंकड़ा है। शराब पीकर वाहन चलाना, वाहन चलाते समय मोबाइल का इस्तेमाल, गलत दिशा में ओवरटेक करने को उन्होंने बेहद खतरनाक बताया। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों से बिना लाइसेंस वाहन न चलाने की अपील भी की।

वहीं मुरादाबाद की यातायात इंस्पेक्टर श्रीमती अनुराधा सिंहल ने विद्यार्थियों से यातायात के नियमों के प्रति जागरूक रहकर उनका पूर्णतया पालन करने की अपील की। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने बुके और प्रतीक-चिन्ह भेंटकर सभी अतिथियों का स्वागत किया। प्रो. अग्रवाल ने आज के इस सत्र को विद्यार्थियों के लिए बेहद लाभकारी बताते हुए यह भी कहा कि यातायात नियमों के पालन से कई जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। मुख्य अतिथि श्री गंगवार ने सत्र के दौरान विद्यार्थियों को यातायात नियमों का पालन करने हेतु शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम का संचालन एक्टिविटी क्लब की समन्वयिका डॉ. स्वाति राय ने किया। एनएसएस इकाई के समन्वयक व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिकुल. पति- एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्रा ने भी यातायात नियमों का पालन करने की दिशा में विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. अशोक कुमार, श्रीमती रुचि चौधरी की विशेष भूमिका रही। सत्र के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 180 से अधिक प्रतिभागी विद्यार्थियों के अतिरिक्त विभिन्न स्कूलों के निदेशक एवं शिक्षक भी उपस्थित रहे।

हिन्दुस्तान
मुरादाबाद
मंगलवार
12 नवंबर 2024
02

नियम अपनाने से कम होंगे हादसे

जागरूकता सत्र

मुरादाबाद, वरिष्ठ संवाददाता। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई की ओर से 'सड़क सुरक्षा शिक्षा' विषय पर जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। जागरूकता सत्र के मुख्य अतिथि व पुलिस अधीक्षक (यातायात) सुभाष चंद्र गंगवार ने बताया कि ज्यादातर वाहन दुर्घटनाएं ओवर स्पीडिंग की वजह से होती हैं। उन्होंने कहा कि हत्या से पांच गुना ज्यादा मौतें वाहन दुर्घटनाओं से होती हैं, जो कि सोचने का विषय है। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए वाहन चालकों और राहगीरों को विभिन्न माध्यम से शिक्षित किया जाना आवश्यक है। इसके अलावा यदि कोई यातायात के नियम तोड़ता है तो इसके लिए प्रवर्तन के माध्यम से जुर्माना लगाया जाता है। एसपी ट्रैफिक ने बताया कि फिटनेस प्रमाणपत्र, लाइसेंस, हेलमेट न होने और सीट बेल्ट न लगाने तथा शराब पीकर वाहन चलाने आदि के लिए जुर्माना लगाकर वाहन दुर्घटनाओं को रोकने का प्रयास किया जाता है। पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए प्रदूषण उत्पन्न करने वाले वाहन नहीं चलाने चाहिए। उन्होंने बताया कि 2022 में 4,81,312 वाहन दुर्घटना हुई, जिनमें मृतकों की संख्या 168491 थी, जो कि एक चिंताजनक आंकड़ा है। शराब पीकर वाहन चलाना, वाहन चलाते समय मोबाइल का इस्तेमाल, गलत दिशा में ओवरटेक करने को उन्होंने बेहद खतरनाक बताया। वहीं यातायात इंस्पेक्टर अनुराधा सिंहल ने विद्यार्थियों से यातायात के नियमों के प्रति जागरूक रहकर उनका पूर्णतया पालन करने की अपील की। इस अवसर पर विवि के कुलपति प्रो. महेंद्र प्रसाद पांडेय ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। विवि के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने बुके और प्रतीक-चिन्ह भेंटकर सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर डॉ. स्वाति राय, प्रो. बीके सिंह, प्रो. वैभव त्रिवेदी, प्रो. अरुण कुमार मिश्रा, डॉ. अशोक कुमार, रुचि आदि रहे।

आईएफटीएम में एनएसएस इकाई की ओर से 'सड़क सुरक्षा शिक्षा' विषय पर जागरूकता सत्र में जागरूकत करते पुलिस अफसर। • हिन्दुस्तान

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद
बुधवार
13 नवंबर 2024 02

आईएफटीएम के छात्रों ने किया इंडस्ट्रियल भ्रमण

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल एवं स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के संयुक्त तत्वावधान में 67 छात्रों ने सोनीपत स्थित याकुल्ट दानोने इंडिया प्रा. लिमिटेड कंपनी का भ्रमण किया। इस अवसर पर विवि के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान समय में विद्यार्थियों का इंडस्ट्री के बारे में जानना जरूरी है, ताकि उन्हें इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुसार तैयार किया जा सके। याकुल्ट कंपनी की मैनेजर महक ने याकुल्ट के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

प्रतियोगिता के लिए जालंधर रवाना होती आईएफटीएम की कबड्डी की टीम।

कबड्डी टीम जालंधर के लिए हुई रवाना

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय की कबड्डी टीम लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय, जालंधर में आयोजित होने वाले नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी कबड्डी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए जालंधर रवाना हो गई। इस अवसर पर विवि के कुलाधिपति राजीव कोठीवाल, कुलपति प्रो. महेंद्र प्रसाद पांडेय एवं कुलसचिव संजीव अग्रवाल ने टीम को रवाना करते हुए कोच कपिल गिल एवं टीम को शुभकामनाएं दीं। 13 से 16 नवंबर तक प्रतियोगिता चलेगी।

विधान केसरी | मुरादाबाद

आईएफटीएम की कबड्डी टीम नॉर्थ जोन इण्टर यूनिवर्सिटी कबड्डी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने हेतु जालंधर रवाना

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय की कबड्डी टीम लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय, जालंधर, पंजाब में आयोजित होने वाले नॉर्थ जोन इण्टर यूनिवर्सिटी कबड्डी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए जालंधर रवाना हो गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री राजीव कोठीवाल, कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय एवं कुलसचिव श्री संजीव अग्रवाल ने टीम को रवाना करते हुए कोच श्री कपिल गिल एवं टीम के सभी बारह सदस्यों को अच्छे प्रदर्शन हेतु शुभकामनाएं दीं।

इस मौके पर विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति-एकेडेमिक्स एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन एवं खेल निदेशक डॉ. वैभव त्रिवेदी ने कहा कि 13 से 16 नवंबर तक चलने वाली इस नॉर्थ जोन इण्टर यूनिवर्सिटी कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने हेतु विश्वविद्यालय की टीम उच्च मनोबल के साथ तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि कबड्डी का खेल खेलने के लिए खिलाड़ियों में बल के साथ बुद्धि का भी होना आवश्यक है। कबड्डी खेल पहले भारत में ही खेला जाता था, लेकिन अब भारत के पड़ोसी देश नेपाल एवं श्रीलंका में भी खेला जाता है। कबड्डी खेल 4000 साल पुराना खेल है, इसी दृष्टि से हम अन्य खेलों के साथ-साथ कबड्डी को भी बढ़ावा दे रहे है। इस अवसर पर कपिल गिल, शशांक चौधरी एवं जे.पी. सिंह समेत कई अन्य अधिकारीगण व शिक्षकगण उपस्थित रहे।

आईएफटीएम के एग्रीकल्चर के विद्यार्थियों ने किया इंडस्ट्रियल भ्रमण

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल एवं स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के संयुक्त तत्वावधान में बी.टेक, एग्रीकल्चर तथा बी.एससी, कृषि, अंतिम वर्ष के 67 विद्यार्थियों ने सोनीपत स्थित याकुल्ट दानोने इंडिया प्रा0 लिमिटेड कम्पनी का भ्रमण किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने सभी विद्यार्थियों को शुभकमनाएं देते हुए कहा कि वर्तमान समय में विद्यार्थियों का इंडस्ट्री के साथ एसोसिएशन होनी अनिवार्य है, ताकि उन्हें इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुसार तैयार किया जा सके। याकुल्ट कम्पनी की मैनेजर मिस महक ने याकुल्ट के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इसकी शुरूआत 1930 में डॉ. मेमोरी सिरोटा ने की थी। उन्होंने बताया कि डॉ. सिरोटा ने दूध में पाए जाने वाले बैक्टीरिया लैक्टोबैसिलस पर शोध किया और पता लगाया कि यह बैक्टीरिया हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है, इसलिए दूध का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। याकुल्ट की वैज्ञानिक स्वाति चौधरी ने विद्यार्थियों को बताया कि याकुल्ट दूध को सबसे पहले प्रोसेसिंग में याकुल्ट दूध को 10 सेंटीग्रेड से नीचे संरक्षित किया जाता है। इस प्रक्रिया से याकुल्ट दूध स्टरलाइज करके दूसरे रोगाणुओं को खत्म किया जाता है। उन्होंने बताया कि 13 से 30 दिन तक याकुल्ट दूध में प्रति बैक्टीरिया का गुणन करके इसके खराब होने का परीक्षण किया जाता है। इसके अलावा स्वाति चौधरी ने फैक्ट्री में इस्तेमाल किये जाने वाली बड़ी-बड़ी मशीनों के बारे में भी विद्यार्थियों को जानकारी दी। स्कूल के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने कहा कियह भ्रमण विद्यार्थियों लिए लाभप्रद सिद्ध होगा। भ्रमण के सफल आयोजन में एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश पाल एवं स्कूल के फैकल्टी मैम्बर्स डॉ. सुलेखा, डॉ. कमलेश कुमार यादव, डॉ. कुलदीप भार्गव एवं डॉ. सुनील का विशेष सहयोग रहा।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के एग्रीकल्चर के विद्यार्थियों ने किया इंडस्ट्रियल भ्रमण

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल एवं स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजी. नियरिंग के संयुक्त तत्वावधान में बी.टेक, एग्रीकल्चर तथा बी. एससी, कृषि, अंतिम वर्ष के 67 विद्यार्थियों ने सोनीपत स्थित ''याकुल्ट दानोने इंडिया प्रा० लिमिटेड'' कम्पनी का भ्रमण किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने सभी विद्यार्थियों को शुभकमनाएं देते हुए कहा कि वर्तमान समय में विद्यार्थियों का इंडस्ट्री के साथ एसोसिएशन होनी अनिवार्य है, ताकि उन्हें इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुसार तैयार किया जा सके। याकुल्ट कम्पनी की मैनेजर मिस महक ने याकुल्ट के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इसकी शुरुआत 1930 में डॉ. मेमा. री सिरोटा ने की थी। उन्होंने बताया कि डॉ. सिरोटा ने दूध में पाए जाने वाले बैक्टीरिया लैक्टोबैसिलस पर शोध किया और पता लगाया कि यह बैक्टीरिया हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है, इसलिए दूध का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। याकुल्ट की वैज्ञानिक स्वाति चौधरी ने विद्यार्थियों को बताया कि याकुल्ट दूध को सबसे पहले प्रोसेसिंग में याकुल्ट दूध को 10 सेंटीग्रेड से नीचे संरक्षित किया जाता है। इस प्रक्रिया से याकुल्ट दूध स्टरलाइज करके दूसरे रोगाणुओं को खत्म किया जाता है। उन्होंने बताया कि 13 से 30 दिन तक याकुल्ट दूध में प्रति बैक्टीरिया का गुणन करके इसके खराब होने का परीक्षण किया जाता है। इसके अलावा स्वाति चौधरी ने फैक्ट्री में इस्तेमाल किये जाने वाली बड़ी-बड़ी मशीनों के बारे में भी विद्यार्थियों को जानकारी दी। स्कूल के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने कहा कियह भ्रमण विद्यार्थियों लिए लाभप्रद सिद्ध होगा। भ्रमण के सफल आयोजन में एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश पाल एवं स्कूल के फैकल्टी मैम्बर्स डॉ. सुलेखा, डॉ. कमलेश कुमार यादव, डॉ. कुलदीप भार्गव एवं डॉ. सुनील का विशेष सहयोग रहा।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के एग्रीकल्चर के विद्यार्थियों ने किया इंडस्ट्रियल भ्रमण

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल एवं स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के संयुक्त तत्वावधान में बी.टेक, एग्रीकल्चर तथा बी.एससी, कृषि, अंतिम वर्ष के 67 विद्यार्थियों ने सोनीपत स्थित याकुल्ट दानोने इंडिया प्रा0 लिमिटेड कम्पनी का भ्रमण किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने सभी विद्यार्थियों को शुभकमनाएं देते हुए कहा कि वर्तमान समय में विद्यार्थियों का इंडस्ट्री के साथ एसोसिएशन होनी अनिवार्य है, ताकि उन्हें इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुसार तैयार किया जा सके। याकुल्ट कम्पनी की मैनेजर मिस महक ने याकुल्ट के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इसकी शुरूआत 1930 में डॉ. मेमोरी सिरोटा ने की थी। उन्होंने बताया कि डॉ. सिरोटा ने दूध में पाए जाने वाले बैक्टीरिया लैक्टोबैसिलस पर शोध किया और पता लगाया कि यह बैक्टीरिया हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है, इसलिए दूध का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

याकुल्ट की वैज्ञानिक स्वाति चैधरी ने विद्यार्थियों को बताया कि याकुल्ट दूध को सबसे पहले प्रोसेसिंग में याकुल्ट दूध को 10 सेंटीग्रेड से नीचे संरक्षित किया जाता है। इस प्रक्रिया से याकुल्ट दूध स्टरलाइज करके दूसरे रोगाणुओं को खत्म किया जाता है। उन्होंने बताया कि 13 से 30 दिन तक याकुल्ट दूध में प्रति बैक्टीरिया का गुणन करके इसके खराब होने का परीक्षण किया जाता है। इसके अलावा स्वाति चैधरी ने फैक्ट्री में इस्तेमाल किये जाने वाली बड़ी-बड़ी मशीनों के बारे में भी विद्यार्थियों को जानकारी दी। स्कूल के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने कहा कियह भ्रमण विद्यार्थियों लिए लाभप्रद सिद्ध होगा। भ्रमण के सफल आयोजन में एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश पाल एवं स्कूल के फैकल्टी मैम्बर्स डॉ. सुलेखा, डॉ. कमलेश कुमार यादव, डॉ. कुलदीप भार्गव एवं डॉ. सुनील का विशेष सहयोग रहा। वि0

आईएफटीएम विश्वविद्यालय की कबड्डी टीम ह्यनॉर्थ जोन इण्टर यूनिवर्सिटी कबड्डी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने हेतु जालंधर रवाना

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय की कबड्डी टीम लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय, जालंधर, पंजाब में आयोजित होने वाले नॉर्थ जोन इण्टर यूनिवर्सिटी कबड्डी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए जालंधर रवाना हो गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति राजीव कोठीवाल, कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय एवं कुलसचिव श्री संजीव अग्रवाल ने टीम को रवाना करते हुए कोच श्री कपिल गिल एवं टीम के सभी बारह सदस्यों को अच्छे प्रदर्शन हेतु शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति-एकेडेमिक्स एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन एवं खेल निदेशक डॉ. वैभव त्रिवेदी ने कहा कि 13 से 16 नवंबर तक चलने वाली इस नॉर्थ जोन इण्टर यूनिवर्सिटी कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने हेतु विश्वविद्यालय की टीम उच्च मनोबल के साथ तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि कबड्डी का खेल खेलने के लिए खिलाड़ियों में बल के साथ बुद्धि का भी होना आवश्यक है। कबड्डी खेल पहले भारत में ही खेला जाता था, लेकिन अब भारत के पड़ोसी देश नेपाल एवं श्रीलंका में भी खेला जाता है। कबड्डी खेल 4000 साल पुराना खेल है, इसी दृष्टि से हम अन्य खेलों के साथ-साथ कबड्डी को भी बढ़ावा दे रहे है। वि0

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में हुआ एकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ साइंसेज के स्टूडेंट डेवलपमेंट सेल की ओर से स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के मैकेनिकल सेमिनार हॉल में एक ह्यएकल नृत्य प्रतियोगिताह्न का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव कुमार अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ साइंसेज एवं एनएसएस इकाई के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इसके उपरांत छात्रा कु0 महिमा कश्यप एवं कुमारी श्रेया ने तिलक लगाकर सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। प्रो. सिंह ने यह भी कहा कि युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं होती है, यदि उन्हें सही समय पर सही दिशा और

मंच मिले तो वे वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिभा का परचम लहरा सकते हैं। प्रतियोगिता में सभी विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगे परिधानों में बेहतरीन नृत्य का प्रदर्शन किया। इस दौरान अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्र समेत अन्य अतिथियों ने विद्यार्थियों द्वारा दी गई प्रस्तुतियों की जमकर तारीफ की। प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर प्रथम पुरस्कार बीसीए, तृतीय सेमेस्टर के अक्षरा भारद्वाज को, द्वितीय पुरस्कार एमएससी, जूलॉजी, प्रथम सेमेस्टर की प्रिया को और तृतीय पुरस्कार बीबीए, पांचवें सेमेस्टर की अंशिका गुप्ता को मिला। प्रतियोगिता में स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की प्रो. मेघा भाटिया, यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक की श्रीमती छवि गुप्ता, स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग की डॉ. अंजलि त्रिपाठी, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के श्री गौरव हावड़िया निर्णायक मंडल के सदस्य रहे। स्कूल के निदेशक प्रो. सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. मिश्र और निर्णायक मंडल के सदस्यों ने सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में संयोजिका डॉ. रिद्धि गर्ग, सह संयोजिका डॉ. स्मिता ज्योति, आयोजन सचिव डॉ. तृप्ति पांडे, डॉ. अतनु नाग, डॉ. अशोक कुमार एवं श्रीमती रुचि चौधरी की विशेष भूमिका रही। अंत में कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. गर्ग ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 35 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम में हुआ 'एकल नृत्य प्रतियोगिता' का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ साइंसेज के स्टूडेंट डेवलपमेंट सेल की ओर से स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के मैकेनिकल सेमिनार हॉल में एक 'एकल नृत्य प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव कुमार अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ साइंसेज एवं एनएसएस इकाई के निद. शक प्रो. बी.के. सिंह ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इसके उपरांत छात्रा कु० महिमा कश्यप एवं कुमारी श्रेया ने तिलक लगाकर सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। प्रो. सिंह ने यह भी कहा कि युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं होती है, यदि उन्हें सही समय पर सही दिशा और मंच मिले तो वे वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिभा का परचम लहरा सकते हैं। प्रतियोगिता में सभी विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगे परिधानों में बेहतरीन नृत्य का प्रदर्शन किया। इस दौरान अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्र समेत अन्य अतिथियों ने विद्यार्थियों द्वारा दी गई प्रस्तुतियों की जमकर तारीफ की। प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर प्रथम पुरस्कार बीसीए, तृतीय सेमेस्टर के अक्षरा भारद्वाज को, द्वितीय पुरस्कार एमएससी, जूलॉजी, प्रथम सेमेस्टर की प्रिया को और तृतीय पुरस्कार बीबीए, पांचवें सेमेस्टर की अंशिका गुप्ता को मिला। प्रतियोगिता में स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की प्रो. मेघा भाटिया, यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक की श्रीमती छवि गुप्ता, स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग की डॉ. अंजलि त्रिपाठी, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के श्री गौरव हावड़िया निर्णायक मंडल के सदस्य रहे। स्कूल के निदेशक प्रो. सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. मिश्र और निर्णायक मंडल के सदस्यों ने सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में संयोजिका डॉ. रिद्धि गर्ग, सह संयोजिका डॉ. स्मिता ज्योति, आयोजन सचिव डॉ. तृप्ति पांडे, डॉ. अतनु नाग, डॉ. अशोक कुमार एवं श्रीमती रुचि चौधरी की विशेष भूमिका रही। अंत में कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. गर्ग ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 35 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में हुआ एकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ साइंसेज के स्टूडेंट डेवलपमेंट सेल की ओर से स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के मैकेनिकल सेमिनार हॉल में एक एकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव कुमार अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ साइंसेज एवं एनएसएस इकाई के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्पार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इसके उपरांत छात्रा कु0 महिमा कश्यप एवं कुमारी श्रेया ने तिलक लगाकर सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। प्रो. सिंह ने यह भी कहा कि युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं होती है, यदि उन्हें सही समय पर सही दिशा और मंच मिले तो वे वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिभा का परचम लहरा सकते हैं। प्रतियोगिता में सभी विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगे परिधानों में बेहतरीन नृत्य का प्रदर्शन किया। इस दौरान अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्र समेत अन्य अतिथियों ने विद्यार्थियों द्वारा दी गई प्रस्तुतियों की जमकर तारीफ की। प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर प्रथम पुरस्कार बीसीए, तृतीय सेमेस्टर के अक्षरा भारद्वाज को, द्वितीय पुरस्कार एमएससी, जूलॉजी, प्रथम सेमेस्टर की प्रिया को और तृतीय पुरस्कार बीबीए, पांचवें सेमेस्टर की अंशिका गुप्ता को मिला।

प्रतियोगिता में स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की प्रो. मेघा भाटिया, यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक की श्रीमती छवि गुप्ता, स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग की डॉ. अंजलि त्रिपाठी, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के श्री गौरव हावड़िया निर्णायक मंडल के सदस्य रहे। स्कूल के निदेशक प्रो. सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. मिश्र और निर्णायक मंडल के सदस्यों ने सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में संयोजिका डॉ. रिद्धि गर्ग, सह संयोजिका डॉ. स्मिता ज्योति, आयोजन सचिव डॉ. तृप्ति पांडे, डॉ. अतनु नाग, डॉ. अशोक कुमार एवं श्रीमती रुचि चौधरी की विशेष भूमिका रही। अंत में कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. गर्ग ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 35 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। वि0

14.11.2024

आईएफटीएम में बाल दिवस के अवसर पर टैलेंट हंट शो एवं हर बच्चे के लिए, हर अधिकार थीम पर का हुआ कार्यक्रमों का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज की ओर से बाल दिवस के अवसर पर हुनरबाज की थीम पर टैलेंट हंट शो का आयोजन किया गया, जिसमें गीत, नृत्य और नाटक की प्रतियोगिताएं कराई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यार्थी अपने अंदर छुपी हुई प्रतिभा को करियर के रूप में आगे भी बढ़ा सकते हैं। प्रतियोगिता का शुभारंभ स्कूल के निदेशक प्रो. मोहन लाल आर्य ने किया। प्रतियोगिता के दौरान बीए, प्रथम वर्ष की छात्रा साफिया के बेहतरीन अंदाज में गाये गीत दिले उम्मीद तोड़ा है किसी ने को प्रथम पुरस्कार दिया गया। वहीं बीए-बीएड, प्रथम वर्ष की छात्रा शगुन ने चिकनी चमेली तथा बीए-जर्नलिज्म के प्रथम वर्ष के छात्र कृष्णम ने करेक्टर ढीला है की धुन पर बेहतरीन नृत्य पेश कर संयुक्त रूप से प्रथम पुरस्कार जीता। इसी तरह वन एक्ट प्ले में एमए, हिंदी, प्रथम वर्ष की छात्रा आकृति सिन्हा ने प्रथम पुरस्कार जीता। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार शुक्ल, अर्थशास्त्र विभाग की डॉ. पूजा गुप्ता, शिक्षा विभाग की डॉ. लक्ष्मी मिश्रा निर्णायक मंडल के सदस्य रहे। कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल के निदेशक प्रो. आर्य ने सभी विजेता प्रतिभागियों को गिफ्ट भेंट कर सम्मानित करते हुए अन्य सभी प्रतिभागियों का भी उत्साहवर्धन किया। प्रो. आर्य ने बताया कि बाल दिवस भारत के प्रथम प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि युवा भारत का भविष्य हैं इसलिए हमें सभी युवाओं को अच्छी दिशा देनी चाहिए, ताकि वे बेहतर राष्ट्र का निर्माण कर सकें। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संयोजिका डॉ. सारिका दुबे, सह संयोजिका डॉ. नेहा शर्मा, आयोजन सचिव डॉ. निकिता यादव की विशेष भूमिका रही। कार्यक्रम का संचालन पत्रकारिता विभाग के श्री पुलकित शर्मा ने किया। अंत में डॉ. शर्मा ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान स्कूल के सभी विभागाध्यक्ष, शिक्षक एवं 100 से अधिक विद्यार्थी उपस्थित रहे। वहीं स्कूल ऑफ साइंसेज की ओर से भी हर बच्चे के लिए, हर अधिकार थीम पर बाल दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें स्कूल के कार्यक्रम में 40 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम की शुरूआत जंतु विज्ञान विभाग की सुश्री संध्या शर्मा ने सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करके की। कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह, प्रो. वी.पी. पांडे, डॉ. अशोक कुमार और डॉ. तृप्ति पांडे ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में प्रो. बी.के. सिंह ने कहा कि बचपन खेल-कूद और आनंद का एक सुखद समय होता है तथा हर कोई विकासात्मक चरण से गुजर रहा होता है। इसी दौर में हमारा व्यक्तित्व भविष्य के लिए आकार लेता है। हम अक्सर देखते हैं कि बचपन की सुखद यादें अप्रिय दिनों में हमारा उत्साह बढ़ा देती हैं। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा मिमिक्री कला, एकल एवं समूह नृत्य, गीत और भाषण की प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. विवेक कुमार, डॉ. अंशुल श्रीवास्तव, डॉ. स्मिता ज्योति, सुश्री संध्या शर्मा, डॉ. सूर्य प्रकाश पांडे एवं डॉ. सुधा मठपाल का योगदान रहा।

14.11.2024

आईएफटीएम में बाल दिवस के अवसर पर ग्राम इटायला माफी में बच्चों को बांटे गए खिलौने

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय द्वारा उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत गोद लिए गए गांव इटायला माफी के प्राथमिक विद्यालय में बाल दिवस के अवसर खिलौना वितरण ड्राइव चलाई गई, जिसमें बच्चों को खिलौने बांटे गए। इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने सभी को बाल दिवस की बधाई देते हुए कहा कि छोटे बच्चे ही कल के भारत का भविष्य हैं। उन्होंने बच्चों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएं भी दीं। प्रो. अग्रवाल ने यह भी कहा कि आज के इस शुभ अवसर पर बच्चों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक कराना, उनको अपने उद्देश्य के प्रति सही मार्गदर्शन देना तथा उनको जिम्मेदार नागरिक बनने हेतु प्रेरित करना हमारा कर्तव्य है। कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर साइंस एंड इंजीनियरिंग के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने बाल दिवस के अवसर पर सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए बताया कि पंडित नेहरू का बच्चों के प्रति बेहद खास लगाव था और इसलिए बच्चे भी उन्हें प्यार से चाचा नेहरू कहकर बुलाते थे। बच्चों और पीएम नेहरू के इसी रिश्ते को देखते हुए 14 नवंबर बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर इटायला माफी ग्राम के प्राथमिक विद्यालय में बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी किए गए, जिसमें नौनिहालों ने बेहतरीन गीत प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम में भारी संख्या में प्राथमिक विद्यालय के बच्चों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया और अपनी-अपनी प्रतिभा दिखाई।

इसके बाद स्कूल के निदेशक प्रो. सिंह ने विश्वविद्यालय प्रबंधन की ओर से बच्चों को उपहार स्वरूप खिलौने दिए, ताकि उनको अच्छी आदतें विकसित करने की दिशा में प्रोत्साहन मिले। कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्राथमिक विद्यालय, इटायला माफी के प्रधानाचार्य श्री कपिल मलिक के साथ विद्यालय के कई शिक्षकों के सहयोग के साथ ही कार्यक्रम के संयोजक डॉ. रमेश पाल एवं आयोजन सचिव डॉ. सुलेखा का विशेष योगदान रहा।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में बाल दिवस के अवसर पर टैलेंट हंट शो एवं हर बच्चे के लिए, हर अधिकार थीम पर का हुआ कार्यक्रमों का आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज की ओर से बाल दिवस के अवसर पर हुनरबाज की थीम पर टैलेंट हंट शो का आयोजन किया गया, जिसमें गीत, नृत्य और नाटक की प्रतियोगिताएं कराई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यार्थी अपने अंदर छुपी हुई प्रतिभा को करियर के रूप में आगे भी बढ़ा सकते हैं। प्रतियोगिता का शुभारंभ स्कूल के निदेशक प्रो. मोहन लाल ह्यआर्यह्न ने किया। प्रतियोगिता के दौरान बीए, प्रथम वर्ष की छात्रा साफिया के बेहतरीन अंदाज में गाये गीत दिले उम्मीद तोड़ा है किसी ने को प्रथम पुरस्कार दिया गया। वहीं बीए-बीएड, प्रथम वर्ष की छात्रा शगुन ने चिकनी चमेली तथा बीए-जर्नलिज्म के प्रथम वर्ष के छात्र कृष्णम ने करेक्टर ढीला है की धुन पर बेहतरीन नृत्य पेश कर संयुक्त रूप से प्रथम पुरस्कार जीता। इसी तरह वन एक्ट प्ले में एमए, हिंदी, प्रथम वर्ष की छात्रा आकृति सिन्हा ने प्रथम पुरस्कार जीता। पत्रकारिता एवं जनसंचार

विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार शुक्ल, अर्थशास्त्र विभाग की डॉ. पूजा गुप्ता, शिक्षा विभाग की डॉ. लक्ष्मी मिश्रा निर्णायक मंडल के सदस्य रहे। कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल के निदेशक प्रो. आर्य ने सभी विजेता प्रतिभागियों को गिफ्ट भेंट कर सम्मानित करते हुए अन्य सभी प्रतिभागियों का भी उत्साहवर्धन किया। प्रो. आर्य ने बताया कि बाल दिवस भारत के प्रथम प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि युवा भारत का भविष्य हैं इसलिए हमें सभी युवाओं को अच्छी दिशा देनी चाहिए, ताकि वे बेहतर राष्ट्र का निर्माण कर सकें। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संयोजिका डॉ. सारिका दुबे, सह संयोजिका डॉ. नेहा शर्मा, आयोजन सचिव डॉ. निकिता यादव की विशेष भूमिका रही। कार्यक्रम का संचालन पत्रकारिता विभाग के श्री पुलकित शर्मा ने किया। अंत में डॉ. शर्मा ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान स्कूल के सभी विभागाध्यक्ष, शिक्षक एवं 100 से अधिक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

वहीं स्कूल ऑफ साइंसेज की ओर से भी हर बच्चे के लिए, हर अधिकार थीम पर बाल दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें स्कूल के कार्यक्रम में 40 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम की शुरूआत जंतु विज्ञान विभाग की सुश्री संध्या शर्मा ने सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करके की। कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह, प्रो. वी.पी. पांडे, डॉ. अशोक कुमार और डॉ. तृप्ति पांडे ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर-के कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में प्रो. बी.के. सिंह ने कहा कि बचपन खेल-कूद और आनंद का एक सुखद समय होता है तथा हर कोई विकासात्मक चरण से गुजर रहा होता है। इसी दौर में हमारा व्यक्तित्व भविष्य के लिए आकार लेता है। हम अक्सर देखते हैं कि बचपन की सुखद यादें अप्रिय दिनों में हमारा उत्साह बढ़ा देती हैं। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा मिमिक्री कला, एकल एवं समूह नृत्य, गीत और भाषण की प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. विवेक कुमार, डॉ. अंशुल श्रीवास्तव, डॉ. स्मिता ज्योति, संध्या शर्मा, डॉ. सूर्य प्रकाश पांडे एवं डॉ. सुधा मठपाल का योगदान रहा। वि०

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर हुआ जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ साइंसेज के जंतु विज्ञान विभाग द्वारा विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के अध्यक्ष व प्रो. स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह, प्रो. एस.डी. शर्मा, प्रो. वी.पी. पांडे, डॉ. अशोक कुमार एवं डॉ. तृप्ति पांडे ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान प्रो. बी.के. सिंह ने कहा कि बेहतर मधुमेह शिक्षा और सही समय पर मधुमेह को नियंत्रित करने और इलाज करने का ज्ञान जोखिम कारकों को कम कर सकता है और मधुमेह की जटिलताओं के विकास की संभावना को कम कर सकता है, जिससे मधुमेह रोगियों में रुग्णता और मृत्यु दर को कम किया जा सकता है। प्रो. एस.डी. शर्मा ने टाइप-2 मधुमेह के बारे में चर्चा की, जो एक ऐसी स्थिति है जहां इंसुलिन का पर्याप्त उत्पादन और कुशलता से उपयोग नहीं किया जाता है, जिसे अनुशासित जीवनशैली का पालन करके, स्वयं की निगरानी और रक्त शर्करा के उतार-चढ़ाव पर नजर रखकर बहाल किया जा सकता है।

कार्यक्रम की शुरूआत जन्तु विज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर सुश्री संध्या शर्मा द्वारा सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करके की गई। संयोजिका व जंतु विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. स्मिता ज्योति ने व्याख्यान के माध्यम से मधुमेह को समझने के महत्व पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने बताया कि यह एक विकार है जिसमें शरीर हमारे द्वारा उपभोग किए जाने वाले भोजन से उत्पन्न होने वाले ग्लूकोज को संसाधित करने और उपयोग करने में विफल रहता है। मधुमेह मुख्य रूप से तीन प्रकार का होता है- टाइप 1 मधुमेह, टाइप 2 मधुमेह और गर्भकालीन मधुमेह। ग्लूकोज शरीर में ऊर्जा का प्रमुख स्रोत है,। ग्लूकोज का अकुशल अवशोषण किसी की दिन-प्रतिदिन की गतिविधि में बाधा डाल सकता है, और अनियंत्रित मधुमेह हृदय संबंधी समस्याएं, तंत्रिका क्षति, गुर्दे की क्षति, पैर की क्षति, त्वचा संक्रमण, स्तंभन दोष, अवसाद, दंत समस्याओं जैसी घातक जटिलताओं को जन्म दे सकता है। कार्यक्रम में एम.एससी, प्रथम वर्ष जन्तु विज्ञान के 50 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें प्रिया सिंह, प्रज्वल राणा, महिमा कश्यप, राविया, मानिया जोशी, सिमरन, अदीबा राना, रंगोली रस्तोगी, तथा मुस्कान मलिक ओरल तथा पोस्टर्स की बेहतरीन प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. सुधा मठपाल, डॉ. अंशुल श्रीवास्तव, डॉ. विवेक कुमार एवं डॉ. सूर्य प्रकाश पांडे ने अपना विशेष योगदान दिया। कार्यक्रम के अंत में सुश्री संध्या शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन किया तथा सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। वि0

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में बाल दिवस के अवसर पर ग्राम इटायला माफी में बच्चों को बांटे गए खिलौने

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय द्वारा उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत गोद लिए गए गांव इटायला माफी के प्राथमिक विद्यालय में बाल दिवस के अवसर खिलौना वितरण ड्राइव चलाई गई, जिसमें बच्चों को खिलौने बांटे गए। इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने सभी को बाल दिवस की बधाई देते हुए कहा कि छोटे बच्चे ही कल के भारत का भविष्य हैं। उन्होंने बच्चों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएं भी दीं। प्रो. अग्रवाल ने यह भी कहा कि आज के इस शुभ अवसर पर बच्चों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक कराना, उनको अपने उद्देश्य के प्रति सही

मार्गदर्शन देना तथा उनको जिम्मेदार नागरिक बनने हेतु प्रेरित करना हमारा कर्तव्य है। कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर साइंस एंड इंजीनियरिंग के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने बाल दिवस के अवसर पर सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए बताया कि पंडित नेहरू का बच्चों के प्रति बेहद खास लगाव था और इसलिए बच्चे भी उन्हें प्यार से चाचा नेहरू कहकर बुलाते थे। बच्चों और पीएम नेहरू के इसी रिश्ते को देखते हुए 14 नवंबर बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है।

इस अवसर पर इटायला माफी ग्राम के प्राथमिक विद्यालय में बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी किए गए, जिसमें नौनिहालों ने बेहतरीन गीत प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम में भारी संख्या में प्राथमिक विद्यालय के बच्चों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया और अपनी-अपनी प्रतिभा दिखाई। इसके बाद स्कूल के निदेशक प्रो. सिंह ने विश्वविद्यालय प्रबंधन की ओर से बच्चों को उपहार स्वरूप खिलौने दिए, ताकि उनको अच्छी आदतें विकसित करने की दिशा में प्रोत्साहन मिले। कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्राथमिक विद्यालय, इटायला माफी के प्रधानाचार्य श्री कपिल मलिक के साथ विद्यालय के कई शिक्षकों के सहयोग के साथ ही कार्यक्रम के संयोजक डॉ. रमेश पाल एवं आयोजन सचिव डॉ. सुलेखा का विशेष योगदान रहा। वि0

अमर उजाला
amarujala.com
मुरादाबाद | शनिवार, 16 नवंबर 2024
5

डीएसए अंडर-16 क्रिकेट लीग 18 नवंबर से

मुरादाबाद। डीएसए की ओर से आईएफटीएम विश्वविद्यालय के खेल मैदान पर 18 नवंबर से अंडर-16 क्रिकेट लीग शुरू होने जा रही है। 24 नवंबर तक चलने वाली इस क्रिकेट लीग में कुल आठ टीमें प्रतिभाग करेंगी। लीग में प्रतिदिन दो मैच खेले जाएंगे। उद्घाटन मैच 18 नवंबर को सुबह आठ बजे से रुकमानी क्रिकेट एकेडमी और आर्यंस क्रिकेट एकेडमी के बीच खेला जाएगा। इसी दिन यूथ क्रिकेट एकेडमी और पार्कर क्रिकेट एकेडमी के बीच भी मैच होगा। ब्यूरो

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, मंगलवार, 19 नवंबर 2024 04

'गुड टच, बैड टच' के बारे में दी गई जानकारी

मुरादाबाद। आईएफटीएम विवि में गर्ल्स हेल्थ क्लब की ओर से स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट में 'गुड टच, बैड टच' विषय पर सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विवि के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कहा कि स्कूल-कॉलेजों में बालिकाओं तथा कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ होने वाली छेड़छाड़ की घटनाओं के प्रति सुरक्षित रहने के लिए उन्हें सतर्क व जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। सत्र की वक्ता व गर्ल्स हेल्थ क्लब की सदस्य डॉ. सारिका दुबे ने कहा कि सतर्कता और जागरूकता ही छेड़छाड़ की घटनाओं से सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण उपाय है। सत्र के दौरान विवि के विभिन्न स्कूलों के 80 से अधिक छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

रुक्कमणि, पारकर ने अंडर 16 क्रिकेट के मुकाबले जीते

मुरादाबाद। आईएफटीएम मैदान पर खेले जा रहे अंडर 16 क्रिकेट लीग के दो मुकाबले खेले गए। लीग में आठ टीमों के बीच चालीस चालीस ओवर के मैच खेले जा रहे हैं। पहला मुकाबला रुक्कमणि और दूसरा पार्कर ने जीता।

पहले मैच में रुक्कमणि ने जिगर कालोनी की टीम को हराया। दूसरे मैच में पार्कर ने यूथ क्लब को हराया। मैन ऑफ द मैच मोहम्मद अरीब को चुना गया। दूसरे मुकाबले में मैन ऑफ द मैच आर्यन को चुना गया। यूपीसीए के निदेशक पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता, क्रिकेट कोच बदरूद्दीन सिद्दीक़ी, खेल निदेशक वैभव त्रिवेदी, वित्त अधिकारी डॉ कुशल पाल सिंह, मोहम्मद हसीन, हिमांशु शर्मा, सौरव कश्यप व अन्य कोच मौजूद रहे।

- पहला मुकाबला रुक्कमणि और दूसरा पार्कर ने जीता

IV दैनिक जागरण मुरादाबाद, 19 नवंबर, 2024

अरीब के छह विकेट के दम पर जीती रुकमणी अकादमी

- आइएफटीएम विवि में अंडर-16 इंटर क्लब क्रिकेट लीग शुरू
- पहले मैच में रुकमणी ने जिगर क्रिकेट अकादमी को हराया

आइएफटीएम में चल रही क्रिकेट लीग में गेंदबाजी करता गेंदबाज • सौ. आयोजक

जागरण संवाददाता, मुरादाबाद : आइएफटीएम विश्वविद्यालय में क्रिकेट बल्लेबाजों ने खूब चौके छक्के लगाकर दर्शकों का मनोरंजन किया। तो गेंदबाजों ने गिल्ली उड़ाकर मैच को रोमांचक दोगुना कर दिया। यहां डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन की ओर से अंडर-16 इंटर क्लब क्रिकेट लीग का आरंभ हुआ। पहले मैच में रुकमणी के गेंदबाज अरीब का बोलबाला रहा जिन्होंने 6 विकेट लेकर जिगर क्रिकेट एकेडमी के खिलाफ टीम को शानदार जीत दिलाई। दूसरे मैच में पाकर क्रिकेट अकादमी ने यूथ क्रिकेट अकादमी को 50 रनों से हराया।

पहला मैच रुकमणी क्रिकेट अकादमी ओर जिगर क्रिकेट अकादमी के बीच खेला गया। जिगर क्रिकेट एकेडमी ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। जिसे रुकमणी के गेंदबाजों दिया। टीम के लिए अफजल खान ने सर्वाधिक 13 और अरहम ने 12 कोई बल्लेबाज ज्यादा देर नहीं टिक सका। पूरी टीम 25.5 ओवर गई। रुकमणी क्रिकेट अकादमी के लिए गेंदबाजी में मोहम्मद अरीब ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 ओवर में 18 रन देकर 6 विकेट और कृष्णा यादव और मोहम्मद जमी ने 2-2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए रुकमणी क्रिकेट अकादमी ने 9.4 ओवर में 3 विकेट खोकर जीत हासिल की। टीम के लिए कप्तान देव पैसल ने 37 व मोहम्मद कैफ ने नाबाद 25 रन बनाए। जिगर के लिए आजाद सिंह ने 2 विकेट लिए। रुकमणी क्रिकेट अकादमी ने 7 विकेट से मुकाबला जीत लिया। मैन आफ द मैच मोहम्मद अरीब को चुना गया। दूसरा मुकाबला पारकर क्रिकेट अकादसी व यूथ क्रिकेट अकादमी के बीच खेला गया। टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पारकर टीम ने 34 ओवर में 192 रन बनाकर आलआउट हो गई। टीम के लिए सूर्यदेव ने 46, आलोक यादव यूथ टीम के लिए गेंदबाजी में हरमीत ने 3 व नवीन, सौयां और संदीप ने 2-2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए यूथ क्रिकेट अकादमी ने 27 ओवर में 142 रन बनाकर आलआउट हो गई और 50 रनों से बार गई। टीम के लिए युवराज सिंह ने नाबाद 72 व अर्जुन गुप्ता ने 17 रन बनाए। पारकर के लिए आर्यन ने 3, आदर्श और अक्षित ने 2-2 विकेट लिए। मैन आफ द मैच आर्यन को चुना गया।

अंपायर की भूमिका में ऋतिक और निखिल, जेपीसिंह और अल्ताफ रहे। स्कोरर ऋतिक गौतम व चंद प्रताप रहे। मैच के दौरान पूर्व रणजी खिलाड़ी व डीएसए सचिव विजय गुप्ता, क्रिकेट कोच बदरूद्दीन सिद्दीकी, खेल निर्देशक वेभव त्रिवेदी, वित्त अधिकारी डा कुशल पाल सिंह, मोहम्मद हसीन, हिमांशु शर्मा, सौरव कश्यप व अन्य कोच

अमर उजाला
amarujala.com
मुरादाबाद | मंगलवार, 19 नवंबर 2024
6

छात्राओं को गुड और बैड टच के बारे में किया जागरूक

मुरादाबाद। छात्राओं और महिलाओं के साथ उनके कार्यस्थल पर होने वाली छेड़छाड़ की घटनाओं के प्रति उन्हें सुरक्षित, सतर्क व जागरूक करना बेहद जरूरी है। इससे समाज में बड़ा सुधार आएगा। यह बातें सोमवार को आईएफटीएम विश्वविद्यालय में हेल्थ क्लब की ओर से आयोजित गुड और बैड टच विषय पर आयोजित संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कहीं। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट में आयोजित इस संगोष्ठी की वक्ता डॉ. सारिका दुबे ने अपने संबोधन में कहा कि सतर्कता और जागरूकता ही छेड़छाड़ की घटनाओं से सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण उपाय है।

अभिभावकों को भी इन घटनाओं के दुष्परिणामों से अवगत कराना चाहिए और बच्चों की इन विषयों पर काउंसलिंग करानी चाहिए। छेड़छाड़ जैसे संवेदनशील मुद्दे से सुरक्षित रहकर छात्राएं व महिलाएं अपने कार्यस्थल पर पढ़ाई व अच्छा प्रदर्शन कर उन्नति प्राप्त कर सकेंगी। क्लब की अध्यक्ष और स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशक प्रो. निशा अग्रवाल ने छात्राओं का उत्साहवर्धन किया और कहा कि वह निडर होकर अपना करियर बनाएं।

उन्होंने छेड़छाड़ को एक अभिशाप बताया और छात्राओं को सलाह दी कि ऐसी किसी भी समस्या से निपटने के लिए वह तुरंत अपने अभिभावक, शिक्षक और पुलिस प्रशासन की सहायता लें। स्वाति राय के संचालन में संगोष्ठी में विभिन्न स्कूलों से 80 से अधिक छात्राओं ने हिस्सा लिया। ब्यूरो

क्रिकेट : अरीब की घातक गेंदबाजी से रुक्मणी एकेडमी की एकतरफा जीत

डीएसए की ओर से अंडर-16 इंटर क्लब क्रिकेट लीग शुरु, पहले दिन हुए दो मुकाबले

अमर उजाला ब्यूरो

रुक्मणी ने जिगर एकेडमी व पारकर ने यूथ एकेडमी को दी मात

इंटर क्लब क्रिकेट लीग में शॉट लगाता बल्लेबाज। स्रोत : एसोसिएशन

मुरादाबाद। डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन की ओर से अंडर-16 इंटर क्लब क्रिकेट लीग का आगाज सोमवार को हुआ। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के मैदान पर पहले दिन दो मुकाबले खेले गए। पहले मैच में रुक्मणी एकेडमी ने जिगर एकेडमी को हराया। जबकि दूसरे मुकाबले में पारकर एकेडमी ने यूथ एकेडमी पर विजय प्राप्त की।

पहले मैच में जिगर क्रिकेट एकेडमी ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी की। निर्धारित 40 ओवर के मैच में जिगर एकेडमी महज 25.5 ओवर ही खेल सकी। रुक्मणी एकेडमी के मो.अरीब की घातक गेंदबाजी के आगे 90 रन बनाकर टीन ऑलआउट हो गई। अरीब ने पाच ओवर में 18 रन देकर छह विकेट झटके। जिगर एकेडमी के लिए बल्लेबाजी में अफजल खान ने सर्वाधिक 13 व नितिन सिंह और अरहम ने 12-12 रन बनाए।

अरीब के अलावा रुक्मणी एकेडमी की ओर से कृष्णा यादव और मो. जमी ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए रुक्मणी एकेडमी ने 9.4 ओवर में तीन विकेट खोकर जीत हासिल कर ली। कप्तान देव पैसल ने 37 व मोहम्मद कैफ ने नाबाद 25 रन बनाए। जिगर एकेडमी के लिए आजाद सिंह ने दो विकेट लिए।

दूसरे मैच में पारकर एकेडमी ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी की। टीम ने 34 ओवर में 192 रन बनाए और ऑलआउट हो गई। सूर्यदेव ने सर्वाधिक 46 रन की पारी खेली। आलोक यादव ने 32 व वीरप्पन ने 28 रन बनाए। यूथ एकेडमी के लिए गेंदबाजी में हरमीत ने तीन विकेट लिए। नवीन, शौर्या और संदीप ने 2-2 विकेट लिए। बल्लेबाजी करने उतरी यूथ एकेडमी 27 ओवर में 142 रन बनाकर सिमट गई। युवराज सिंह ने नाबाद 72 रन बनाए। उनके अलावा कोई बल्लेबाज नहीं टिक सका।

वहीं पारकर के लिए गेंदबाजी में आर्यन ने तीन, आदर्श और अक्षित ने दो-दो विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच आर्यन को चुना गया। पारकर टीम ने यह मुकाबला 50 रन से जीत लिया।

अंपायर की भूमिका में ऋतिक, निखिल, जेपी सिंह, अल्ताफ रहे। स्कोरिंग ऋतिक गौतम व चंद प्रताप ने की। मैच के दौरान पूर्व रणजी खिलाड़ी व डीएसए सचिव विजय गुप्ता, कोच बदरुद्दीन सिद्दीकी, आईएफटीएम के खेल निदेशक वैभव त्रिवेदी, वित्त अधिकारी डॉ. कुशल पाल सिंह, मोहम्मद हसीन, हिमांशु शर्मा आदि मौजूद रहे।

● आईएफटीईएम विश्वविद्यालय में गर्ल्स हेल्थ क्लब की ओर से

'गुड टच, बैड टच' विषय पर हुआ सत्र का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में गर्ल्स हैल्थ क्लब की ओर से स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट में "गुड टच, बैड टच" विषय पर एक सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्व. विद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यह भी कहा कि स्कूल/ कॉलेजों में बालिकाओं तथा कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ होने वाली छेड़छाड़ की घटनाओं के प्रति सुरक्षित रहने हेतु उन्हें सतर्क व जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। सत्र की वक्ता व गर्ल्स हैल्थ क्लब की सदस्या डॉ. सारिका दुबे ने कहा कि सतर्कता और जागरूकता ही छेड़छाड़ की घटनाओं से सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण उपाय है। उन्होंने बताया कि अभिभावकों को भी छेड़छाड़ जैसी घटनाओं के दुष्परिणामों से अवगत कराने के साथ ही समय-समय पर अपने बच्चों की

काउंसलिंग भी करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि छेड़छाड़ जैसे संवेदनशील मुद्दे से सुरक्षित रहकर ही बालिकाएं और महिलाएं अपनी पढ़ाई एवं कार्यस्थल पर अच्छा प्रदर्शन करके देश की उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेंगी। इस मौके पर कार्यकम व गर्ल्स हैल्थ क्लब की अध्यक्षा एवं स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने सभी छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वे निडर होकर अपना करियर बनाएं। छेड़छाड़ को एक अभिशाप बताते हुए उन्होंने प्रतिभागी छात्राओं को सलाह देते हुए कहा कि ऐसी किसी भी समस्या से निपटने के लिए वे तुरन्त अपने अभिभावकों, शिक्षकों और पुलिस प्रशासन की सहायता लें। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि प्रभावी संचार के माध्यम से भी छेड़छाड़ जैसी समस्याओं को दूर किया जा सकता है। अतिथियों का स्वागत व सत्र का संचालन गर्ल्स हैल्थ क्लब की सदस्या डॉ. स्वाति राय ने किया। सत्र के सफल आयोजन में आयोजन समिति के सभी सदस्यों की विशेष भूमिका रही। सत्र के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 80 से अधिक छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम में गर्ल्स हेल्थ क्लब की ओर से गुड टच, बैड टच विषय पर हुआ सत्र का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में गर्ल्स हैल्थ क्लब की ओर से स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट में गुड टच, बैड टच विषय पर एक सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यह भी कहा कि स्कूल/ कॉलेजों में बालिकाओं तथा कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ होने वाली छेड़छाड़ की घटनाओं के प्रति सुरक्षित रहने हेतु उन्हें सतर्क व जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। सत्र की वक्ता व गर्ल्स हैल्थ क्लब की सदस्या डॉ. सारिका दुबे ने कहा कि सतर्कता और जागरूकता ही छेड़छाड़ की घटनाओं से सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण उपाय है। उन्होंने बताया कि अभिभावकों को भी छेड़छाड़ जैसी घटनाओं के दुष्परिणामों से अवगत कराने के साथ ही समय-समय पर अपने बच्चों की काउंसलिंग भी करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि छेड़छाड़ जैसे संवेदनशील मुद्दे से सुरक्षित रहकर ही बालिकाएं और महिलाएं अपनी पढ़ाई एवं कार्यस्थल पर अच्छा प्रदर्शन करके देश की उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेंगी। इस मौके पर कार्यकम व गर्ल्स हैल्थ क्लब की अध्यक्षा एवं स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने सभी छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वे निडर होकर अपना करियर बनाएं। छेड़छाड़ को एक अभिशाप बताते हुए उन्होंने प्रतिभागी छात्राओं को सलाह देते हुए कहा कि ऐसी किसी भी समस्या से निपटने के लिए वे तुरन्त अपने अभिभावकों, शिक्षकों और पुलिस प्रशासन की सहायता लें। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि प्रभावी संचार के माध्यम से भी छेड़छाड जैसी समस्याओं को दूर किया जा सकता है। अतिथियों का स्वागत व सत्र का संचालन गर्ल्स हैल्थ क्लब की सदस्या डॉ. स्वाति राय ने किया। सत्र के सफल आयोजन में आयोजन समिति के सभी सदस्यों की विशेष भूमिका रही। सत्र के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 80 से अधिक छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में गर्ल्स हेल्थ क्लब की ओर से गुड टच, बैड टच विषय पर हुआ सत्र का आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में गर्ल्स हैल्थ क्लब की ओर से स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट में गुड टच, बैड टच विषय पर एक सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यह भी कहा कि स्कूल/ कॉलेजों में बालिकाओं तथा कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ होने वाली छेड़छाड़ की घटनाओं के प्रति सुरक्षित रहने हेतु उन्हें सतर्क व जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। सत्र की वक्ता व गर्ल्स हैल्थ क्लब की सदस्या डॉ. सारिका दुबे ने कहा कि सतर्कता और जागरूकता ही छेड़छाड़ की घटनाओं से सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण उपाय है। उन्होंने बताया कि अभिभावकों को भी छेड़छाड़ जैसी घटनाओं के दुष्परिणामों से अवगत कराने के साथ ही समय–समय पर अपने बच्चों की काउंसलिंग भी करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि छेड़छाड़ जैसे संवेदनशील मुद्दे से सुरक्षित रहकर ही बालिकाएं और महिलाएं अपनी पढ़ाई एवं कार्यस्थल पर अच्छा प्रदर्शन करके देश की उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेंगी। इस मौके पर कार्यकम व गर्ल्स हैल्थ क्लब की अध्यक्षा एवं स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने सभी छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वे निडर होकर अपना करियर बनाएं। छेड़छाड़ को एक अभिशाप बताते हुए उन्होंने प्रतिभागी छात्राओं को सलाह देते हुए कहा कि ऐसी किसी भी समस्या से निपटने के लिए वे तुरन्त अपने अभिभावकों, शिक्षकों और पुलिस प्रशासन की सहायता लें। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि प्रभावी संचार के माध्यम से भी छेड़छाड जैसी समस्याओं को दूर किया जा सकता है। अतिथियों का स्वागत व सत्र का संचालन गर्ल्स हैल्थ क्लब की सदस्या डॉ. स्वाति राय ने किया। सत्र के सफल आयोजन में आयोजन समिति के सभी सदस्यों की विशेष भूमिका रही। सत्र के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 80 से अधिक छात्राओं ने प्रतिभाग किया। वि0

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, बुधवार, 20 नवंबर 2024 05

बालिकाएं शिक्षित होंगी तो देश समृद्ध होगा

मुरादाबाद, वरिष्ठ संवाददाता। आईएफटीएम विवि में गर्ल्स हेल्थ क्लब की ओर से 'नारीवाद का जश्न मनाने' के अंतर्गत वीमेन टू वीमेन टॉक शो का आयोजन किया गया।

टॉक शो में विशेषज्ञों ने 'जब लड़कियां शिक्षित होती हैं, तो उनका देश मजबूत और अधिक समृद्ध बनता है' विषय पर विचार रखे। विशेषज्ञों ने विवि के विभिन्न स्कूलों की 133 प्रतिभागी छात्राओं के साथ टॉक शो के विषय के संबंध में संवाद भी स्थापित किया। विवि के कुलसचिव प्रो.संजीव अग्रवाल ने कहा कि समृद्धशाली राष्ट्र बनाने में बालिकाओं की विशेष भूमिका रही है। टॉक शो में राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, अमरोहा की चिकित्साधिकारी डॉ. कविता मुदगिल ने कहा कि, अक्सर देखा गया है कि स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न होने पर भी इन समस्याओं के बारे में बालिकाएं संकोचवश खुलकर किसी से परामर्श नहीं लेती हैं, जिसके फलस्वरूप उनके उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। मौके पर स्वीप आइकन व आर्ट ऑफ लिविंग की शिक्षिका ऋतु नारंग, प्रभारी निरीक्षक (यातायात) अनुराधा सिंहल, पराग ह्यूमन फाउंडेशन ट्रस्ट की संस्थापक गरिमा सिंह ने भविष्य को लेकर कई टिप्स दिए।

● आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 'सांप्रदायिक सद्भाव अभियान सप्ताह एवं

फ्लैग डे-2024' के उपलक्ष्य में हुआ नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्व. विद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के सहयोग से ''सांप्रदायिक सद्भाव अभियान सप्ताह एवं फ्लैग डे-2024'' के उपलक्ष्य में एक ''नारा लेखन प्रतियोगिता'' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने के लिए प्रेरित करना चाहिए। कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने कहा कि प्रशासन की ओर से समाज में सांप्रदायिक सद्भाव और शांति को बढ़ावा देने के लिए लगातार किए जा रहे प्रयासों के साथ ही अलग-अलग मीडिया के जरिए प्रचार-प्रसार और संवर्धन अभियान भी चलाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों और सामाजिक कल्पनाओं में निहित पूर्व आधुनिक भारत के बारे में सह अस्तित्व की नैतिकता को बढ़ावा दिया जा सकता है। साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि समुदायों के बीच सद्भाव व सामंजस्य बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता में स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के विभिन्न विभागों के ३९ विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर बी.एससी, कृषि, तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों खुशबू ने प्रथम, अंकित ने द्वितीय और हर्ष सैनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस दौरान कार्यक्रम के सह अध्यक्ष व एग्रीकल्चरल साइंसेज एवं एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश पाल, डॉ. सत्यभान सिंह एवं डॉ. अंजलि त्रिपाठी निर्णायक मंडल के सदस्य रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सह अध्यक्ष डॉ. रमेश पाल, आयोजन सचिव डॉ. सुलेखा एवं सह आयोजन सचिव डॉ. सुनील का विशेष योगदान रहा।

आईएफटीएम में आयोजित हुआ 'वीमेन टू वीमेन टॉक शो'

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में गर्ल्स हेल्थ क्लब की ओर से ''नारीवाद का जश्न मनाने'' के अंतर्गत एक ''वीमेन टू वीमेन टॉक शो'' का आयोजन किया गया। टॉक शो में विशेषज्ञों ने ''जब लड़कियां शिक्षित होती हैं, तो उनका देश मजबूत और अधिक समृद्ध बनता है'' विषय पर अपने-अपने विचार रखे। साथ ही विशेषज्ञों ने विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों की 133 प्रतिभागी छात्राओं के साथ टॉक शो के विषय के सम्बन्ध में संवाद भी स्थापित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समृद्धशाली राष्ट्र बनाने में बालिकाओं की विशेष भूमिका रही है। उन्होंने सलाह देते हुए कहा कि समय-समय पर विशेषज्ञों द्वारा बालिकाओं की काउंसलिंग और उनका परामर्श नितांत आवश्यक है। टॉक शो में राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, अमरोहा की चिकित्साधिकारी डॉ. कविता मुदगिल ने कहा कि अवसर देखा गया है कि स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न होने पर भी इन समस्याओं के बारे में बालिकाएं संकोचवश खुलकर किसी से परामर्श नहीं लेती हैं, जिसके फलस्वरूप उनके उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों की बालिक. ाओं में यह समस्या बहुत अधिक होती है, इसलिए वे जागरूक रहें और बिना संकोच किए अपनी समस्या के बारे में विशेषज्ञों से परामर्श अवश्य लें। उन्होंने यह भी कहा कि अभिभावक भी बालिक. ाओं के साथ मित्रवत व्यवहार करके उनकी समस्याओं का ससमय समाधान कराएं। स्वीप आइकन, मुरादाबाद व आर्ट ऑफ लिविंग की शिक्षिका श्रीमती ऋतु नारंग ने कहा कि साहस और आत्मविश्वास से सभी समस्याओं का निदान किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि बालिकाएं अपने आप को कमजोर ना समझें, बल्कि सभी समस्याओं का साहस के साथ सामना करें। मुरादाबाद की प्रभारी निरीक्षक (यातायात) श्रीमती अनुराधा सिंहल ने कहा कि सफलता आसानी से नहीं मिलती, इसके लिए सामान्य से अधिक मेहनत करनी पड़ती है। उन्होंने बताया कि बालि. काएं किसी भी आपराधिक गतिविधि व संकट के निदान के लिए किसी भी समय महिला पुलिस की सहायता ले सकती हैं। उन्होंने बालिकाओं का उत्साहवर्धन करते हुए यह भी कहा कि आज के परिवेश में बालिकाओं के लिए कुछ भी हासिल करना असम्भव नहीं है। मुरादाबाद की पराग ह्यूमन फाउंडेशन ट्रस्ट की संस्थापक श्रीमती गरिमा सिंह ने अपने शुरूआती संघर्ष के बारे में बताते हुए कहा कि उन्होंने अपना कॅरियर ट्यूशन पढ़ाकर आगे बढ़ाया। उन्होंने बालिकाओं को परिवार और समाज में सामंजस्य बनाकर अपना कॅरियर बनाना बेहद चुनौती भरा बताया। उन्होंने यह भी कहा कि बालिकाएं अपना कॅरियर बनाने का निर्णय स्वयं लें, यदि आपके निर्णय के रास्ते में कहीं कोई समस्या आए तो अपने अभिभावकों व सम्बन्धित विशेषज्ञों से उचित सलाह लेकर उन समस्याओं का समय रहते निदान कराएं। इस मौके पर स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका व गर्ल्स हेल्थ क्लब की अध्यक्षा प्रो. निशा अग्रवाल ने सभी अतिथियों को बुके और प्रतीक-चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया। उन्होंने सभी छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि अपनी समस्याओं को लेकर वे कभी भी अपनी शिक्षिकाओं की सहायता ले सकती हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्पण कर किया गया। कार्यक्रम का संच. लन गर्ल्स हेल्थ क्लब की सदस्या डॉ. सारिका दुबे ने किया तथा गर्ल्स हेल्थ क्लब की सदस्या डॉ. स्वाति राय ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आयोजन समिति के सभी सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ वीमेन टू वीमेन टॉक शो

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में गर्ल्स हेल्थ क्लब की ओर से नारीवाद का जश्न मनाने के अंतर्गत एक वीमेन टू वीमेन टॉक शो का आयोजन किया गया। टॉक शो में विशेषज्ञों ने जब लड़कियां शिक्षित होती हैं, तो उनका देश मजबूत और अधिक समृद्ध बनता है विषय पर अपने-अपने विचार रखे। साथ ही विशेषज्ञों ने विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों की 133 प्रतिभागी छात्राओं के साथ टॉक शो के विषय के सम्बन्ध में संवाद भी स्थापित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समृद्धशाली राष्ट्र बनाने में बालिकाओं की विशेष भूमिका रही है। उन्होंने सलाह देते हुए कहा कि समय-समय पर विशेषज्ञों द्वारा बालिकाओं की काउंसलिंग और उनका परामर्श नितांत आवश्यक है। टॉक शो में राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, अमरोहा की चिकित्साधिकारी डॉ. कविता मुदगिल ने कहा कि अक्सर देखा गया है कि स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न होने पर भी इन समस्याओं के बारे में बालिकाएं संकोचवश खुलकर किसी से परामर्श नहीं लेती हैं, जिसके फलस्वरूप उनके उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों की बालिकाओं में यह समस्या बहुत अधिक होती है, इसलिए वे जागरूक रहें और बिना संकोच किए अपनी समस्या के बारे में विशेषज्ञों से परामर्श अवश्य लें। उन्होंने यह भी कहा कि अभिभावक भी बालिकाओं के साथ मित्रवत व्यवहार करके उनकी समस्याओं का ससमय समाधान कराएं। स्वीप आइक्न, मुरादाबाद व आर्ट ऑफ लिविंग की शिक्षिका

श्रीमती ऋतु नारंग ने कहा कि साहस और आत्मविश्वास से सभी समस्याओं का निदान किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि बालिकाएं अपने आप को कमजोर ना समझें, बल्कि सभी समस्याओं का साहस के साथ सामना करें। मुरादाबाद की प्रभारी निरीक्षक (यातायात) नुराधा सिंहल ने कहा कि सफलता आसानी से नहीं मिलती, इसके लिए सामान्य से अधिक मेहनत करनी पड़ती है। उन्होंने बताया कि बालिकाएं किसी भी आपराधिक गतिविधि व संकट के निदान के लिए किसी भी समय महिला पुलिस की सहायता ले सकती हैं। उन्होंने बालिकाओं का उत्साहवर्धन करते हुए यह भी कहा कि आज के परिवेश में बालिकाओं के लिए कुछ भी हासिल करना असम्भव नहीं है। मुरादाबाद की पराग ह्यूमन फाउंडेशन ट्रस्ट की संस्थापक श्रीमती गरिमा सिंह ने अपने शुरूआती संघर्ष के बारे में बताते हुए कहा कि उन्होंने अपना कॅरियर ट्यूशन पढ़ाकर आगे बढ़ाया। उन्होंने बालिकाओं को परिवार और समाज में सामंजस्य बनाकर अपना कॅरियर बनाना बेहद चुनौती भरा बताया। उन्होंने यह भी कहा कि बालिकाएं अपना कॅरियर बनाने का निर्णय स्वयं लें, यदि आपके निर्णय के रास्ते में कहीं कोई समस्या आए तो अपने अभिभावकों व सम्बन्धित विशेषज्ञों से उचित सलाह लेकर उन समस्याओं का समय रहते निदान कराएं। इस मौके पर स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका व गर्ल्स हेल्थ क्लब की अध्यक्षा प्रो. निशा अग्रवाल ने सभी अतिथियों को बुके और प्रतीक-चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया। उन्होंने सभी छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि अपनी समस्याओं को लेकर वे कभी भी अपनी शिक्षिकाओं की सहायता ले सकती हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्पण कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन गर्ल्स हेल्थ क्लब की सदस्या डॉ. सारिका दुबे ने किया तथा गर्ल्स हेल्थ क्लब की सदस्या डॉ. स्वाति राय ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आयोजन समिति के सभी सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वि0

आईएफटीएम के फैकल्टी ऑफ फार्मेसी में हुआ फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ फामेर्सी में बी.फार्मा., द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं के लिए फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ फैकल्टी ऑफ फामेर्सी के डीन प्रो. नवनीत वर्मा ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्पण कर किया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का अनुभव जीवन को नई दिशा प्रदान करता है। स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के निदेशक डॉ सुशील कुमार ने सभी नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं का स्वागत किया व उन्हें उनके उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने विभिन्न मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनमें बी.फार्मा., द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा सोलो सिंगिंग परफार्मेंस, डांस परफार्मेंस एवं गीत आदि की प्रस्तुतियां दी गयीं। कार्यक्रम का संचालन बी.फार्मा., द्वितीय वर्ष की छात्रा श्रेया सिंह और मो. महीन ने किया। इस दौरान साहू ओंकार सरन स्कूल ऑफ फामेर्सी के निदेशक डॉ. अरुण कुमार मिश्र, फामेर्सी एकेडमी की विभागाध्यक्षा डॉ श्वेता वर्मा, डॉ. जी. इस्लाम, डॉ. विजय शर्मा समेत फैकल्टी ऑफ फामेर्सी के अन्य सभी शिक्षकगण भी मौजूद रहे। फ्रेशर्स पार्टी के दौरान निर्णायक मंडल द्वारा मानवी शर्मा को मिस फ्रेशर एवं आशुतोष गुप्ता को मिस्टर फ्रेशर चुना गया।

विधान केसरी मुराद

आईएफटीआईएम में स्वस्थ खाओ, स्वस्थ रहो विषय पर हुआ दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट (एसबीएम) के स्टूडेंट डेवलपमेंट सेल (एसडीसी) की ओर से स्वस्थ खाओ, स्वस्थ रहो विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए प्रेरणादायक संबोधन के साथ कार्यशाला का शुभारम्भ किया। साथ ही उन्होंने संतुलित आहार और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के महत्व पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का महत्व बताने के साथ ही समग्र शैक्षिक वातावरण को बढ़ावा देने में इसकी महत्ता बताई। कार्यशाला के प्रथम दिन मुख्य वक्ता डॉ. मेघा भाटिया ने पोषण और स्वास्थ्य पर अपने ज्ञानवर्धक सत्रों से प्रतिभागी विद्यार्थियों को लाभान्वित किया। कार्यशाला के दूसरे दिन डॉ. निखिल गुप्ता ने इंटरैक्टिव चर्चाएँ और प्रश्नोत्तर सत्र सम्मिलित करते हुए दैनिक जीवन में स्वस्थ खाने की आदतों को शामिल करने के व्यावहारिक टिप्स और रणनीतियाँ साझा कीं। कार्यशाला का संचालन एसडीसी सदस्या सुश्री तनुजा शर्मा ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में एसडीसी सदस्य श्री अक्षय शर्मा, सुश्री ज्योति सिंह समेत स्कूल के अन्य फैकल्टी मैम्बर्स डॉ. निधि चौधरी, सुश्री मोनिका चौहान एवं शोभित कुमार का योगदान रहा। कार्यशाला में प्रबंधन अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश कुमार यादव और वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष सक्सेना एवं डॉ. हिमांशु गुप्ता समेत कई अन्य शिक्षकगण शामिल रहे। विद्यार्थियों में स्वस्थ खाने की आदतों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यशाला में स्कूल के विभिन्न विभागों के 200 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। अंत में एसडीसी सदस्या सुश्री शर्मा ने सभी उपस्थितों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

आईएफटीएम में सांप्रदायिक सद्भाव अभियान सप्ताह के अंतर्गत हुआ कल्चरल ईव का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एवं स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के संयुक्त तत्वावधान में सांप्रदायिक सद्भाव अभियान सप्ताह के अंतर्गत कल्चरल ईव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्पण कर किया। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों में परस्पर सहयोग से कार्य करने के साथ ही उनमें सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने की भावना का भी विकास होता है, जो कि एक स्वस्थ समाज, राष्ट्र और विश्व के विकास हेतु अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम की सह समन्वयिका व स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन से ही सांप्रदायिक सद्भाव की प्रेरणा युवाओं को दी जानी चाहिए, ताकि वो आने वाली पीढ़ी को भी प्रेरित कर सकें। कार्यक्रम की आयोजिका डॉ. मेघा भाटिया ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों द्वारा भारत की विरासत की समृद्ध विविधता को दर्शाया गया। कार्यक्रम में पारंपरिक नृत्य, संगीत प्रदर्शन और नाटक शामिल थे, जिसमें विविधता में एकता के सन्दर्भ में प्रकाश डाला गया। इस मौके पर कार्यक्रम व एनएसएस के समन्वयक एवं स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने सभी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और अतिथियों ने मिलकर हृविविधता में एकताह्न का जश्न मनाया। उन्होंने कार्यक्रम के महत्व और सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने में विद्यार्थियों की भूमिका पर अपने विचार भी साझा किए। कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्रबंधन अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश कुमार यादव और वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष सक्सेना, सह आयोजिका डॉ. आरती गर्ग का योगदान रहा। अंत में सह आयोजिका डॉ. गर्ग ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के 80 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

हिन्दुस्तान
मुरादाबाद, शनिवार, 23 नवंबर 2024 07

संतुलित आहार अपनाने पर दिया जोर

मुरादाबाद, वरिष्ठ संवाददाता। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट (एसबीएम) के स्टूडेंट डेवलपमेंट सेल (एसडीसी) की ओर से 'स्वस्थ खाओ, स्वस्थ रहो' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विवि के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यशाला का शुभारंभ किया। साथ ही उन्होंने संतुलित आहार और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के महत्व पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का महत्व बताने के साथ ही समग्र शैक्षिक वातावरण को बढ़ावा देने में इसकी महत्ता बताई। कार्यशाला के प्रथम दिन मुख्य वक्ता डॉ. मेघा भाटिया ने पोषण और स्वास्थ्य पर अपने ज्ञानवर्धक सत्रों से प्रतिभागी विद्यार्थियों को लाभान्वित किया।

आईएफटीएम : मानवी शर्मा मिस तो आशुतोष बने मिस्टर फ्रेशर

आयोजन

मिस व मिस्टर फ्रेशर बनने के बाद मानवी और आशुतोष। • हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, वरिष्ठ संवाददाता। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ फार्मेसी में बीफार्मा द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राओं ने प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं के लिए फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ फैकल्टी ऑफ फार्मेसी के डीन प्रो. नवनीत वर्मा ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्पण कर किया। उन्होंने बताया कि विवि का अनुभव जीवन को नई दिशा प्रदान करता है। स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के निदेशक डॉ. सुशील कुमार ने सभी नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं का स्वागत किया।

कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन बीफार्मा, द्वितीय वर्ष की छात्रा श्रेया सिंह और मो. महीन ने किया।

इस दौरान साहू ओंकार सरन स्कूल ऑफ फार्मेसी के निदेशक डॉ. अरुण कुमार मिश्र, फार्मेसी एकेडमी की विभागाध्यक्षा डॉ. श्वेता वर्मा, डॉ. जी. इस्लाम, डॉ. विजय शर्मा समेत फैकल्टी ऑफ फार्मेसी के अन्य सभी शिक्षक मौजूद रहे। फ्रेशर्स पार्टी के दौरान निर्णायक मंडल ने मानवी शर्मा को मिस फ्रेशर एवं आशुतोष गुप्ता को मिस्टर फ्रेशर चुना गया।

'विद्यार्थी जीवन से ही युवाओं को दें सांप्रदायिक सद्भाव की प्रेरणा'

आईएफटीएम में कल्चरल ईव कार्यक्रम में प्रस्तुति देते प्रतिभागी। • हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, वरिष्ठ संवाददाता। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एवं स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के संयुक्त तत्वावधान में सांप्रदायिक सद्भाव अभियान सप्ताह के अंतर्गत कल्चरल ईव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विवि के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्पण कर किया।

उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों में परस्पर सहयोग से कार्य करने के साथ ही उनमें सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने की भावना का भी विकास होता है, जो कि एक स्वस्थ समाज, राष्ट्र और विश्व के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। सह समन्वयिका व स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने कहा कि विद्यार्थी जीवन से ही सांप्रदायिक सद्भाव की प्रेरणा युवाओं को दी जानी चाहिए। डॉ. मेघा भाटिया ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों द्वारा भारत की विरासत की समृद्ध विविधता को दर्शाया गया। कार्यक्रम व एनएसएस के समन्वयक एवं स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बीके सिंह ने सभी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। प्रबंधन अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश यादव, डॉ. आशीष सक्सेना, डॉ. आरती गर्ग आदि मौजूद रहे।

क्रिकेट: स्प्रिंगफील्ड डीपीजीएस ने मैच जीते

इंटर क्लब क्रिकेट लीग मैच के दौरान आईएफटीएम में आपस में भिड़ती टीमें।

मुरादाबाद, संवाददाता। आईएफटीएम में चल रहे अंडर-16 इंटर क्लब क्रिकेट लीग में शुक्रवार को दो मैच खेले गए। पहले मैच में स्प्रिंगफील्ड क्रिकेट एकेडमी और दूसरे मैच में डीपीजीएस क्रिकेट एकेडमी ने जीत हासिल की। पहले मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए स्प्रिंगफील्ड क्रिकेट एकेडमी 38.1 ओवर में 229 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

टीम के लिए मोहम्मद इमरान ने 40, शिवम सिंह ने 31 व कैफ़ ने 36 रन बनाये। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आर्यन क्रिकेट एकेडमी 36.1 ओवर में 156 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम के लिए दीपांशु ने 74 व भविष्य ने नवाद 19 रन बनाये। मैन ऑफ द मैच दीपांशु को चुना गया। यह मैच स्प्रिंगफील्ड क्रिकेट एकेडमी ने 36 रन से जीत लिया। दूसरे मैच में डीपीजीएस क्रिकेट एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 39.4 ओवर में 280 रन बनाकर बनाए। टीम के लिए कैफ ने 82, समीर ने 53 व जैद ने 48 रन बनाये।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी एमपीएस क्रिकेट एकेडमी 18.2 ओवर में 118 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। मैन ऑफ द मैच मोहम्मद वसीम को चुना गया।

IV दैनिक जागरण मुरादाबाद, 23 नवंबर, 2024

वसीम के 'पंच' से डीपीजीएस ने हासिल की जीत

- टीम ने एमपीएस क्रिकेट एकेडमी को 118 रनों से हराया
- स्प्रिंगफील्ड ने आर्यंस को 73 रनों से मैच में दी मात

जागरण संवाददाता, मुरादाबाद : आइएफटीएम में चल रही क्रिकेट प्रतियोगिता में शुक्रवार को दो मैच खेले गए। पहले मैच में स्प्रिंगफील्ड ने आर्यंस को 73 रनों से हराया। जबकि दूसरे मैच में डीपीजीएस के लिए वसीम ने पंजा खोलते हुए टीम का यादगार जीत दिलाई। वसीम के पांच विकेट के दम पर टीम ने एमपीएस क्रिकेट एकेडमी को 118 रनों से मात दी।

पहला मैच स्प्रिंगफील्ड एकेडमी और आर्यंस क्रिकेट एकेडमी के बीच खेला गया। जिसमें स्प्रिंगफील्ड ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। जिसमें टीम 38.1 ओवर में 229 रन बनाकर आलआउट हो गई। टीम के लिए मोहम्मद इमरान ने 40, शिवम सिंह ने 31 व कैफ ने 36 रन बनाये। आर्यंस के लिए गेंदबाजी में दीपांशु, तरुण, वीर चिकारा और यश देव ने 2-2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए आर्यन क्रिकेट टीम स्प्रिंगफील्ड के गेंदबाजों के सामने पूरी तरह फैल हो गई। टीम 36.1 ओवर में 156 रन बनाकर आलआउट हो गई और 73 रनों से मैच हार गई। टीम के लिए दीपांशु ने 74 और भविष्य ने नाबाद 19 रन बनाये। इसके अलावा कोई बल्लेबाज अच्छी पारी नहीं खेल सका। वहीं स्प्रिंगफील्ड के लिए गेंदबाजी में यथार्थ, आर्यन और अंश यादव ने 2-2 विकेट लिया। मैन आफ द मैच दीपांशु को चुना गया। दूसरे मैच डीपीजीएस क्रिकेट एकेडमी और एमपीएस क्रिकेट एकेडमी के बीच खेला गया। जिसमें डीपीजीएस टीम टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 39.4 ओवर में 280 रन बनाकर आलआउट हो गई। टीम के लिए कैफ ने 82, समीर ने 53 व जैद ने 48 रन बनाये। एमपीएस के लिए शम्स अली और राज सैनी ने 4-4 विकेट लिये। लक्ष्य का पीछा करते हुए एमपीएस टीम 18.2 ओवर में 118 रन बनाकर आलआउट हो गई। टीम के लिए शम्स अली ने 28 व सात्विक और अयान ने 17-17 रन बनाये। डीपीजीएस के लिए वसीम ने 5 और असद ने 3 विकेट लिये। मैन आफ द मैच मोहम्मद वसीम को चुना गया। अंपायर की भूमिका में सर्तेंद्र कुमार, शमशाद अल्वी, खेम सिंह, और जेपी सिंह रहे। स्कोरर चंद्रप्रताप व जोगेंद्र सिंह रहे। मैच के दौरान पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता, क्रिकेट कोच बदरुद्दीन सिद्दीकी, नितिन गुप्ता, प्रदीप टंडन, वेभव त्रिवेदी, डा. कुशल पाल सिंह, मोहम्मद हसीन, नजाकत अली, चमन सिंह, नासिर हुसैन आदि मौजूद रहे।

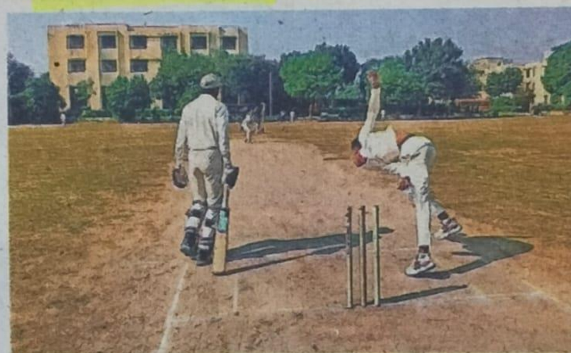

आइएफटीएम में चल रही क्रिकेट लीग में गेंदबाजी करता गेंदबाज • सौ आयोजक

आईएफटीएम के फैकल्टी ऑफ फार्मेसी में हुआ फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्व विद्यालय के फैकल्टी ऑफ फार्मेसी में बी.फार्मा., द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं के लिए फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ फैकल्टी ऑफ फार्मेसी के डीन प्रो. नवनीत वर्मा ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्पण कर किया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का अनुभव जीवन को नई दिशा प्रदान करता है। स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के निदेशक डॉ सुशील कुमार ने सभी नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं का स्वागत किया व उन्हें उनके उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने विभिन्न मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनमें बी.फार्मा., द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा सोलो सिंगिंग परफार्मेंस, डांस परफार्मेंस एवं गीत आदि की प्रस्तुतियां दी गयीं। कार्यक्रम का संचालन बी.फार्मा., द्वितीय वर्ष की छात्रा श्रेया सिंह और मो. महीन ने किया। इस दौरान साहू ओंकार सरन स्कूल ऑफ फार्मेसी के निदेशक डॉ. अरुण कुमार मिश्र, फार्मेसी एकेडमी की विभागाध्यक्षा डॉ श्वेता वर्मा, डॉ. जी. इस्लाम, डॉ. विजय शर्मा समेत फैकल्टी ऑफ फार्मेसी के अन्य सभी शिक्षकगण भी मौजूद रहे। फ्रेशर्स पार्टी के दौरान निर्णायक मंडल द्वारा मानवी शर्मा को मिस फ्रेशर एवं आशुतोष गुप्ता को मिस्टर फ्रेशर चुना गया।

विधान केसरी मुराद

आईएफटीएम में स्वस्थ खाओ, स्वस्थ रहो विषय पर हुआ दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट (एसबीएम) के स्टूडेंट डेवलपमेंट सेल (एसडीसी) की ओर से स्वस्थ खाओ, स्वस्थ रहो विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए प्रेरणादायक संबोधन के साथ कार्यशाला का शुभारम्भ किया। साथ ही उन्होंने संतुलित आहार और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के महत्व पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का महत्व बताने के साथ ही समग्र शैक्षिक वातावरण को बढ़ावा देने में इसकी महत्ता बताई। कार्यशाला के प्रथम दिन मुख्य वक्ता डॉ. मेघा भाटिया ने पोषण और स्वास्थ्य पर अपने ज्ञानवर्धक सत्रों से प्रतिभागी विद्यार्थियों को लाभान्वित किया। कार्यशाला के दूसरे दिन डॉ. निखिल गुप्ता ने इंटरैक्टिव चर्चाएँ और प्रश्नोत्तर सत्र सम्मिलित करते हुए दैनिक जीवन में स्वस्थ खाने की आदतों को शामिल करने के व्यावहारिक टिप्स और रणनीतियाँ साझा कीं। कार्यशाला का संचालन एसडीसी सदस्या सुश्री तनुजा शर्मा ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में एसडीसी सदस्य श्री अक्षय शर्मा, सुश्री ज्योति सिंह समेत स्कूल के अन्य फैकल्टी मैम्बर्स डॉ. निधि चौधरी, सुश्री मोनिका चौहान एवं शोभित कुमार का योगदान रहा। कार्यशाला में प्रबंधन अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश कुमार यादव और वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष सक्सेना एवं डॉ. हिमांशु गुप्ता समेत कई अन्य शिक्षकगण शामिल रहे। विद्यार्थियों में स्वस्थ खाने की आदतों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यशाला में स्कूल के विभिन्न विभागों के 200 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। अंत में एसडीसी सदस्या सुश्री शर्मा ने सभी उपस्थितों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

आईएफटीएम में 'स्वस्थ खाओ, स्वस्थ रहो' विषय पर हुआ दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट (एसबीएम) के स्टूडेंट डेवलपमेंट सेल (एसडीसी) की ओर से "स्वस्थ खाओ, स्वस्थ रहो" विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए प्रेरणादायक संबोधन के साथ कार्यशाला का शुभारम्भ किया। साथ ही उन्होंने संतुलित आहार और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के महत्व पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की

निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का महत्व बताने के साथ ही समग्र शैक्षिक वातावरण को बढ़ावा देने में इसकी महत्ता बताई। कार्यशाला के प्रथम दिन मुख्य वक्ता डॉ. मेघा भाटिया ने पोषण और स्वास्थ्य पर अपने ज्ञानवर्धक सत्रों से प्रतिभागी विद्यार्थियों को लाभान्वित किया। कार्यशाला के दूसरे दिन डॉ. निखिल गुप्ता ने इंटरैक्टिव चर्चाएँ और प्रश्नोत्तर सत्र सम्मिलित करते हुए दैनिक जीवन में स्वस्थ खाने की आदतों को शामिल करने के व्यावहारिक टिप्स और रणनीतियाँ साझा कीं। कार्यशाला का संचालन एसडीसी सदस्या सुश्री तनुजा शर्मा ने किया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में एसडीसी सदस्य श्री अक्षय शर्मा, सुश्री ज्योति सिंह समेत स्कूल के अन्य फैकल्टी मैम्बर्स डॉ. निधि चौधरी, सुश्री मोनिका चौहान एवं श्री शोभित कुमार का योगदान रहा। कार्यशाला में प्रबंधन अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश कुमार यादव और वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष सक्सेना एवं डॉ. हिमांशु गुप्ता समेत कई अन्य शिक्षकगण शामिल रहे। विद्यार्थियों में स्वस्थ खाने की आदतों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यशाला में स्कूल के विभिन्न विभागों के 200 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। अंत में एसडीसी सदस्या सुश्री शर्मा ने सभी उपस्थितों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 'सांप्रदायिक सद्भाव अभियान सप्ताह' मनाए जाने के अंतर्गत हुआ विविध कार्यक्रमों का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई एवं स्कूल ऑफ साइंसेज के संयुक्त तत्वावधान में ''सांप्रदायिक सद्भाव अभियान सप्ताह'' मनाए जाने के अंतर्गत ''सांप्रदायिक सद्भाव रैली'' तथा ''पेंटिंग प्रतियोगिता'' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सांप्रदायिक सद्भाव को बनाए रखने के लिए परस्पर संयम बरतने के साथ ही एक दूसरे के प्रति आदरभाव और सम्मान भी आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयं सेवकों व विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में ''साम्प्रदायिक सद्भाव रैली'' निकाली गयी, जिसमें ७५ से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। रैली के माध्यम से विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रीय एकता, अखण्ता, सम्प्रभुता एवं सद्भावना बनाये रखने का संदेश दिया गया। वहीं ''पेंटिंग प्रतियोगिता'' में निर्णायक मंडल के सदस्यों डॉ. तृप्ति पाण्डेय एवं श्रीमति रुचि चौधरी के अनुसार अच्छे प्रदर्शन के आधार पर एम.एससी., गृहविज्ञान, प्रथम वर्ष की छात्रा अंशिका चौधरी ने प्रथम, बी.एस.सी. गृहविज्ञान, तृतीय वर्ष की छात्रा सौम्या यादव और छात्रा फरहा क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहीं। इस प्रतियोगिता में ४० से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस मौके पर कार्यक्रम व एनएसएस इकाई के समन्वयक एवं स्कूल ऑफ सांइसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने बताया कि साम्प्रदायिक सद्भाव सप्ताह मनाए जाने व विद्यार्थियों को साम्प्रदायिक सद्भाव एवं राष्ट्रीय एकता की भावना के प्रति जागरूक करने की दृष्टि से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। उक्त कार्यक्रमों के सफल आयोजन में डॉ. अशोक कुमार, डॉ. अतानु नाग, डॉ. तृप्ति पाण्डेय, श्री दीपक शर्मा, श्रीमति रुचि चौधरी, डॉ. सूर्य प्रकाश पाण्डेय, श्री विपिन कुमार आदि शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में सांप्रदायिक सद्भाव अभियान सप्ताह मनाए जाने के अंतर्गत हुआ विविध कार्यक्रमों का आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई एवं स्कूल ऑफ सांइसेज के संयुक्त तत्वावधान में सांप्रदायिक सद्भाव अभियान सप्ताह मनाए जाने के अंतर्गत सांप्रदायिक सद्भाव रैली तथा पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सांप्रदायिक सद्भाव को बनाए रखने के लिए परस्पर संयम बरतने के साथ ही एक दूसरे के प्रति आदरभाव और सम्मान भी आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयं सेवकों व विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में साम्प्रदायिक सद्भाव रैली निकाली गयी, जिसमें 75 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। रैली के माध्यम से विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रीय

एकता, अखण्ता, सम्प्रभुता एवं सद्भावना बनाये रखने का संदेश दिया गया। वहीं पेंटिंग प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के सदस्यों डॉ. तृप्ति पाण्डेय एवं रुचि चौधरी के अनुसार अच्छे प्रदर्शन के आधार पर एम.एससी., गृहविज्ञान, प्रथम वर्ष की छात्रा अंशिका चैधरी ने प्रथम, बी.एस.सी. गृहविज्ञान, तृतीय वर्ष की छात्रा सौम्या यादव और छात्रा फरहा क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहीं। इस प्रतियोगिता में 40 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

इस मौके पर कार्यक्रम व एनएसएस इकाई के समन्वयक एवं स्कूल ऑफ सांइसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने बताया कि साम्प्रदायिक सद्भाव सप्ताह मनाए जाने व विद्यार्थियों को साम्प्रदायिक सद्भाव एवं राष्ट्रीय एकता की भावना के प्रति जागरूक करने की दृष्टि से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। उक्त क्रार्यक्रमों के सफल आयोजन में डॉ. अशोक कुमार, डॉ. अतानु नाग, डॉ. तृप्ति पाण्डेय, दीपक शर्मा, रुचि चौधरी, डॉ. सूर्य प्रकाश पाण्डेय, विपिन कुमार आदि शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वि0

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, रविवार, 24 नवंबर 2024 07

स्प्रिंगफील्ड, आर्यन क्रिकेट एकेडमी जीते

मुरादाबाद। आईएफटीएम में आयोजित अंडर –16 इंटर क्लब क्रिकेट लीग में शनिवार को को दो मैच खेले गए। पहले मैच में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी डीपीजीएस क्रिकेट एकेडमी ने 37.3 ओवर में 156 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्प्रिंगफील्ड क्रिकेट एकेडमी ने 36.1 ओवर में 3 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। दूसरे मैच में आर्यन क्रिकेट एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एमपीएस क्रिकेट एकेडमी 25 ओवर में 117 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

इंस्टीट्यूशन्स इन्नोवेशन काउंसिल और फार्मेसी संकाय के संयुक्त तत्वावधान में फील्ड विजिट का हुआ आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूशन्स इन्नोवेशन काउंसिल (आईआईसी) और फार्मेसी संकाय के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं हेतु मुरादाबाद की मॉड्यूलर फर्नीचर उद्योग के प्रतिष्ठान "के इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड" में फील्ड विजिट कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस कार्यक्रम को विद्यार्थियों हेतु अत्यंत लाभदायी बताते हुए समय-समय पर ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन कराते रहने की सलाह भी दी। फील्ड विजिट के दौरान उक्त प्रतिष्ठान के प्रमुख श्री कुलदीप सिंह ने छात्र-छात्राओं को उद्यमशीलता के विविध पहलुओं को समझाते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी।

इस मौके पर फार्मेसी संकाय के डीन डॉ. नवनीत वर्मा एवं स्कूल ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज के निदेशक डॉ. सुशील कुमार ने इस कार्यक्रम का महत्व बताते हुए विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। आईआईसी के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. मनोज कुमार ने छात्र-छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन से उन्हें अपने विचारों को वास्तविकता में बदलने का मौका मिलेगा और नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर भी प्राप्त होगा।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में आईआईसी के संयोजक डॉ. अतनु नाग, समन्वयिका डॉ. सुकृति उपाध्याय समेत फार्मेसी संकाय के अन्य फैकल्टी मैम्बर्स डॉ. प्रशांत उपाध्याय एवं श्री त्रिभुवन वशिष्ठ का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस फील्ड विजिट में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 50 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूशन्स इन्नोवेशन काउंसिल और फामेर्सी संकाय के संयुक्त तत्वावधान में फील्ड विजिट का हुआ आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूशन्स इन्नोवेशन काउंसिल (आईआईसी) और फामेर्सी संकाय के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं हेतु मुरादाबाद की मॉड्यूलर फर्नीचर उद्योग के प्रतिष्ठान के इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड में फील्ड विजिट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस कार्यक्रम को विद्यार्थियों हेतु अत्यंत लाभदायी बताते हुए समय-समय पर ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन कराते रहने की सलाह भी दी। फील्ड विजिट के दौरान उक्त प्रतिष्ठान के प्रमुख श्री कुलदीप सिंह ने छात्र-छात्राओं को उद्यमशीलता के विविध पहलुओं को समझाते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी।

इस मौके पर फामेर्सी संकाय के डीन डॉ. नवनीत वर्मा एवं स्कूल ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज के निदेशक डॉ. सुशील कुमार ने इस कार्यक्रम का महत्व बताते हुए विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। आईआईसी के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. मनोज कुमार ने छात्र-छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन से उन्हें अपने विचारों को वास्तविकता में बदलने का मौका मिलेगा और नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर भी प्राप्त होगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आईआईसी के संयोजक डॉ. अतनु नाग, समन्वयिका डॉ. सुकृति उपाध्याय समेत फामेर्सी संकाय के अन्य फैकल्टी मैम्बर्स डॉ. प्रशांत उपाध्याय एवं त्रिभुवन वशिष्ठ का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस फील्ड विजिट में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 50 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। वि०

अमर उजाला
amarujala.com
मुरादाबाद | बुधवार, 27 नवंबर 2024
8

आईएफटीईएम विवि को मिला सम्मान

मुरादाबाद। आईएफटीईएम विश्वविद्यालय को ट्रेनिंग एवं स्किल डेवलपमेंट के क्षेत्र में चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों के लिए सर्वश्रेष्ठ नवाचार और प्रौद्योगिकी पुरस्कार अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है।

प्रो. एमपी पांडेय।

यह सम्मान ग्लोबल हाई ट्रेंड जनरल एलएलसी कंपनी के निदेशक डॉ. हामिद फेरगनी ने दुबई में हुई बैठक में कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पांडेय को प्रदान किया। कुलाधिपति राजीव कोठीवाल और प्रतिकुलाधिपति अभिनव कोठीवाल ने विवि के सभी अधिकारियों, शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को बधाई दी। कुलाधिपति राजीव कोठीवाल ने कहा कि विवि विद्यार्थियों के लिए बेहतर प्रशिक्षण और रोजगार उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। ब्यूरो

2 दैनिक जागरण मुरादाबाद, 27 नवंबर, 2024

आइएफटीएम विवि के कुलपति सम्मानित

प्रो. एमपी पांडेय, कुलपति आइएफटीएम •

मुरादाबाद : आइएफटीएम विवि को ट्रेनिंग एवं स्किल डेवलपमेंट के क्षेत्र में चल रहे कार्यक्रमों के तहत सर्वश्रेष्ठ नवाचार और प्रौद्योगिकी पुरस्कार अवार्ड से कुलपति महेंद्र पांडे को सम्मानित किया गया है। ग्लाबेल हाई ट्रेंड जनरल एलएलसी कंपनी के निदेशक डा. हामिद फेरगनी की ओर से दुबई में हुई बैठक के दौरान यह पुरस्कार दिया गया। एजीआर. टेलेंट कंसल्टिंग एलएलपी के निदेशक अनिल पांडे ने बताया कि तीन सालों में आइएफटीएम विवि 3500 से अधिक विद्यार्थियों को कंपनी के साथ एमओयू के तहत ट्रेनिंग पूरी करके रोजगार पा चुके हैं।

विधान केसरी मुराद

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के कुलपति दुबई में सम्मानित

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय को ट्रेनिंग एवं स्किल डेवलपमेंट के क्षेत्र में चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों के लिए सर्वश्रेष्ठ नवाचार और प्रौद्योगिकी पुरस्कार अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान ग्लोबल हाई ट्रेंड जनरल एलएलसी कम्पनी के निदेशक डॉ. हामिद फेरगनी के द्वारा दुबई में हुई मीटिंग के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय को प्रदान किया गया। डॉ. फेरगनी ने विश्वविद्यालय को मिली इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और अपने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण उपलब्ध कराने हेतु विश्वविद्यालय प्रशासन की सराहना भी की। इसके अतिरिक्त दुबई में आयोजित इस मीटिंग में एजीआर टेलेंट कंसल्टिंग एलएलपी के निदेशक अनिल पाण्डेय ने बताया कि पिछले तीन वर्ष की अवधि में आईएफटीएम विश्वविद्यालय के 3500 से अधिक छात्र-छात्राएं उनकी कम्पनी के साथ हुए एमओयू के अंतर्गत ट्रेनिंग पूर्ण कर रोजगार प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने आईएफटीएम विश्वविद्यालय के साथ कार्य करने को एक बेहतर अनुभव बताते हुए

आने वाले समय में कई अन्य प्रोजेक्ट्स पर और भी एमओयू स्थापित करने की बात कही। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री राजीव कोठीवाल एवं प्रतिकुलाधिपति श्री अभिनव कोठीवाल ने विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारियों, शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को बधाई दी। कुलाधिपति श्री कोठीवाल ने यह भी कहा कि आईएफटीएम विश्वविद्यालय अपने छात्र-छात्राओं के लिए बेहतर प्रशिक्षण और रोजगार उपलब्ध कराने हेतु प्रतिबद्ध है। वहीं विश्वविद्यालय के आईसीएसडी के निदेशक व प्रतिकुलपति प्रो. वैभव त्रिवेदी ने बताया कि विश्वविद्यालय अपने छात्र-छात्राओं को दुबई में रोजगार उपलब्ध कराने हेतु प्रयासरत है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि स्किल डेवलपमेंट की दिशा में बढ़ावा देने के उद्देश्य से उक्त कम्पनी ग्लोबल हाई ट्रेंड जनरल एलएलसी के साथ कई एमओयू साइन करने हेतु सहमति भी हुई। एजीआर टेलेंट कंसल्टिंग एलएलपी कम्पनी के परियोजना प्रबन्धक आदर्श तिवारी ने इस अवसर पर खुशी जताई व इस अवार्ड के लिए विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने अपनी कम्पनी की परियोजनाओं के सफल संचालन में विश्वविद्यालय की ओर से निरन्तर मिलने वाले सहयोग के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन के प्रति आभार भी व्यक्त किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशकगणों, विभागाध्यक्षो, शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, बुधवार, 27 नवंबर 2024 04

आईएफटीआईएम विवि के कुलपति दुबई में सम्मानित

मुरादाबाद, वरिष्ठ संवाददाता। आईएफटीआईएम विश्वविद्यालय को ट्रेनिंग एवं स्किल डेवलपमेंट के क्षेत्र में चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों के लिए 'सर्वश्रेष्ठ नवाचार और प्रौद्योगिकी पुरस्कार' अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान ग्लोबल हाई ट्रेंड जनरल एलएलसी कंपनी के निदेशक डॉ.हामिद फेरगनी ने दुबई में हुई मीटिंग के दौरान विवि के कुलपति प्रो.महेंद्र प्रसाद पांडेय को दिया।

डॉ.फेरगनी ने विवि को मिली इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण उपलब्ध कराने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की सराहना भी की। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति राजीव कोठीवाल एवं प्रतिकुलाधिपति अभिनव कोठीवाल ने विवि के समस्त अधिकारियों, शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को बधाई दी। विश्वविद्यालय के आईसीएसडी के निदेशक व प्रतिकुलपति प्रो.वैभव त्रिवेदी ने बताया कि विवि अपने छात्र-छात्राओं को दुबई में रोजगार उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है।

कुलपति प्रो .महेंद्र प्रसाद पांडेय।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के कुलपति दुबई में सम्मानित

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय को ट्रेनिंग एवं स्किल डेवलपमेंट के क्षेत्र में चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों के लिए "सर्वश्रेष्ठ नवाचार और प्रौद्योगिकी पुरस्कार" अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान "ग्लोबल हाई ट्रेंड जनरल एलएलसी" कम्पनी के निदेशक डॉ. हामिद फेरगनी के द्वारा दुबई में हुई मीटिंग के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय को प्रदान किया गया। डॉ. फेरगनी ने विश्वविद्यालय को मिली इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और अपने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण उपलब्ध कराने हेतु विश्व. विद्यालय प्रशासन की सराहना भी की। इसके अतिरिक्त दुबई में आयोजित इस मीटिंग में "एजीआर टेलेंट कंसल्टिंग एलएलपी" के निदेशक श्री अनिल पाण्डेय ने बताया कि पिछले तीन वर्ष की अवधि में आईएफटीएम विश्व विद्यालय के 3500 से अधिक छात्र-छात्राएं उनकी कम्पनी के साथ हुए एमओयू के अंतर्गत ट्रेनिंग पूर्ण कर रोजगार प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने आईएफटीएम विश्व विद्यालय के साथ कार्य करने को

कुलपति प्रो. एम.पी. पाण्डेय

एक बेहतर अनुभव बताते हुए आने वाले समय में कई अन्य प्रोजेक्ट्स पर और भी एमओयू स्थापित करने की बात कही। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री राजीव कोठीवाल एवं प्रति कुलाधिपति अभिनव कोठीवाल ने विश्व विद्यालय के समस्त अधिकारियों, शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को बधाई दी। कुलाधिपति श्री कोठीवाल ने यह भी कहा कि आईएफटीएम विश्वविद्यालय अपने छात्र-छात्राओं के लिए बेहतर प्रशिक्षण और रोजगार उपलब्ध कराने हेतु प्रतिबद्ध है। वहीं विश्वविद्यालय के आईसीएसडी के निदेशक व प्रतिकुलपति प्रो. वैभव त्रिवेदी ने बताया कि विश्वविद्यालय अपने छात्र-छात्राओं को दुबई में रोजगार उपलब्ध कराने हेतु प्रयासरत है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि स्किल डेवलपमेंट की दिशा में बढ़ावा देने के उद्देश्य से उक्त कम्पनी "ग्लोबल हाई ट्रेंड जनरल एलएलसी" के साथ कई एमओयू साइन करने हेतु सहमति भी हुई। "एजीआर टेलेंट कंसल्टिंग एलएलपी" कम्पनी के परियोजना प्रबन्धक श्री आदर्श तिवारी ने इस अवसर पर खुशी जताई व इस अवार्ड के लिए विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने अपनी कम्पनी की परियोजनाओं के सफल संचालन में विश्वविद्यालय की ओर से निरन्तर मिलने वाले सहयोग के लिए विश्व. विद्यालय प्रशासन के प्रति आभार भी व्यक्त किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशकगणों, विभागाध्यक्षों, शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

बेदखली सूचना

मैं अपनी पुत्रवधू श्रीमति रूपवती, पौत्र प्रदीप, चन्द्र विजय सिंह, देशराज व पौत्री मनीषा को गलत संगत/गलत आचरण व दुर्व्यवहार करने के कारण अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर सम्बन्ध विच्छेद करती हूं। भविष्य में इनके द्वारा किए गए किसी भी गलत कृत्यों/लेनदेन व मुकदमेंबाजी के लिए वह स्वंय जिम्मेदार होगें। आज के बाद मेरा व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई ताल्लुक व वास्ता नहीं होगा। **श्रीमती किशोरी देवी पत्नी सियाराम** निवासी ग्राम मिलक नगलिया जट तहसील व थाना बिलारी, जिला मुरादाबाद।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के कुलपति दुबई में सम्मानित

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय को ट्रेनिंग एवं स्किल डेवलपमेंट के क्षेत्र में चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों के लिए सर्वश्रेष्ठ नवाचार और प्रौद्योगिकी पुरस्कार अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान ग्लोबल हाई ट्रेंड जनरल एलएलसी कम्पनी के निदेशक डॉ. हामिद फेरगनी के द्वारा दुबई में हुई मीटिंग के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय को प्रदान किया गया। डॉ. फेरगनी ने विश्वविद्यालय को मिली इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और अपने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण उपलब्ध कराने हेतु विश्वविद्यालय प्रशासन की सराहना भी की। इसके अतिरिक्त दुबई में आयोजित इस मीटिंग में एजीआर टेलेंट कंसल्टिंग एलएलपी के निदेशक श्री अनिल पाण्डेय ने बताया कि पिछले तीन वर्ष की अवधि में आईएफटीएम विश्वविद्यालय के 3500 से अधिक छात्र-छात्राएं उनकी कम्पनी के साथ हुए एमओयू के अंतर्गत ट्रेनिंग पूर्ण कर रोजगार प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने आईएफटीएम विश्वविद्यालय के साथ कार्य करने को एक बेहतर अनुभव बताते हुए आने वाले समय में कई अन्य प्रोजेक्ट्स पर और भी एमओयू स्थापित करने की बात कही।

कुलपति प्रो. एम.पी. पाण्डेय

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री राजीव कोठीवाल एवं प्रतिकुलाधिपति अभिनव कोठीवाल ने विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारियों, शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को बधाई दी। कुलाधिपति श्री कोठीवाल ने यह भी कहा कि आईएफटीएम विश्वविद्यालय अपने छात्र-छात्राओं के लिए बेहतर प्रशिक्षण और रोजगार उपलब्ध कराने हेतु प्रतिबद्ध है। वहीं विश्वविद्यालय के आईसीएसडी के निदेशक व प्रतिकुलपति प्रो. वैभव त्रिवेदी ने बताया कि विश्वविद्यालय अपने छात्र-छात्राओं को दुबई में रोजगार उपलब्ध कराने हेतु प्रयासरत है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि स्किल डेवलपमेंट की दिशा में बढ़ावा देने के उद्देश्य से उक्त कम्पनी ग्लोबल हाई ट्रेंड जनरल एलएलसी के साथ कई एमओयू साइन करने हेतु सहमति भी हुई। एजीआर टेलेंट कंसल्टिंग एलएलपी कम्पनी के परियोजना प्रबन्धक श्री आदर्श तिवारी ने इस अवसर पर खुशी जताई व इस अवार्ड के लिए विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने अपनी कम्पनी की परियोजनाओं के सफल संचालन में विश्वविद्यालय की ओर से निरन्तर मिलने वाले सहयोग के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन के प्रति आभार भी व्यक्त किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशकगणों, विभागाध्यक्षो, शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया। वि0

हिन्दुस्तान
मुरादाबाद
गुरुवार
28 नवंबर 2024
02

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में छात्रों को संविधान की जानकारी देते अतिथि।

आईएफटीएम में मनाया गया संविधान दिवस

मुरादाबाद। आईएफटीएम में स्कूल ऑफ लॉ की ओर से राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के सहयोग से संविधान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विवि के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने किया। मौके पर कार्यक्रम के संयोजक व एनएसएस इकाई के समन्वयक एवं स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बीके सिंह, सह संयोजक व स्कूल ऑफ लॉ के निदेशक प्रो. एसबी मिश्रा, सेमिनार के आयोजन सचिव व विधि विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. योगेंद्र रहे।

आईएफटीएम में वित्तीय साक्षरता को लेकर हुई कार्यशाला को संबोधित करते वक्ता।

वित्तीय साक्षरता और नियोजन के महत्व पर जोर

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के इंडस्ट्री एकेडमीया इंटीग्रेशन एंड स्किल डेवलपमेंट सेल एवं स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की ओर से फाइनेंशियल प्लानिंग एंड कैपिटल मार्केट्स विषय पर कार्यशाला हुई। इंटर्नल क्वालिटी एश्योरेंस सेल के सहयोग से हो रही इस कार्यशाला में विवि के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने वर्तमान के आर्थिक परिदृश्य में वित्तीय साक्षरता और नियोजन के महत्व पर जोर दिया। मुख्य अतिथि व सेबी, सीडीएसएल एवं एनआईएसएम से संबद्ध प्रमाणित प्रतिभूति बाजार प्रशिक्षक डॉ. मुकुल जैन रहे।आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. राकेश यादव रहे।

अमर उजाला
amarujala.com
मुरादाबाद | बृहस्पतिवार, 28 नवंबर 2024
5

सामान्य दस्तावेज नहीं मार्गदर्शन ग्रंथ है संविधान

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ लॉ व एनएसएस इकाई की ओर से संविधान दिवस मनाया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने भारतीय संविधान के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान कोई सामान्य दस्तावेज नहीं बल्कि भारतीयों के मार्गदर्शन के लिए पवित्र ग्रंथ है। इसे अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए। एनएसएस के समन्वयक व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बीके सिंह ने कहा कि वर्ष 2015 से पहले इस दिन को विधि दिवस के रूप में मनाया जाता था। वर्ष 2015 में भारत सरकार ने बाबा साहब के 125वें जन्म दिवस पर उनके सम्मान में इस दिन को संविधान दिवस के रूप में मनाना शुरू किया। इस मौके पर प्रो. एसबी मिश्रा, विधि विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. योगेंद्र सिंह, सहायक प्रोफेसर विवेकानंद, डॉ. उपेंद्र ग्रेवाल आदि मौजूद रहे। ब्यूरो

आईएफटीएम में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया संविधान दिवस

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ लॉ द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के सहयोग से अत्यंत हर्षोल्लास व उत्सव के रूप में संविधान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने भारतीय संविधान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान कोई सामान्य दस्तावेज न होकर भारतीयों के मार्गदर्शन हेतु एक पवित्र ग्रंथ है, इसलिए इसे अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए।

कार्यक्रम के संयोजक व एनएसएस इकाई के समन्वयक एवं स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि वर्ष 2015 से पहले इस दिन को विधि दिवस के रुप में मनाया जाता था, वर्ष 2015 में भारतीय सरकार द्वारा बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के 125 वे जन्म दिवस के उपलक्ष्य व उनके सम्मान में इस दिन को संविधान दिवस के रुप में मनाया जाने लगा। इस मौके पर कार्यक्रम के सह संयोजक व स्कूल ऑफ लॉ के निदेशक प्रो. एस.बी. मिश्रा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह संविधान ही है जो हमें एक आजाद देश का आजाद नागरिक की भावना का एहसास कराता है। उन्होंने बताया कि जिस प्रकार संविधान के दिए मौलिक अधिकार हमारी ढाल बनकर हमें हमारा हक दिलाते हैं, ठीक उसी प्रकार इसमें दिए मौलिक कर्तव्य में हमें हमारी जिम्मेदारियां भी याद दिलाते हैं। सेमिनार के आयोजन सचिव व विधि विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. योगेन्द्र सिंह ने भी संविधान के इतिहास पर विस्तार से प्रकाश डाला एवं वर्तमान में संविधान की प्रासंगिकता को समझाया। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि भारत का संविधान दुनिया का सबसे लंबा लिखित संविधान है। कार्यक्रम का संचालन श्री विवेकानंद, सहायक प्रोफेसर द्वारा किया गया। अंत में स्कूल ऑफ लॉ के डॉ. उपेंद्र ग्रेवाल ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में स्कूल ऑफ लॉ के सभी शिक्षकों समेत लगभग 60 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में प्रॉब्लम सॉल्विंग एंड आइडिएशन विषय पर हुआ कार्यशाला का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी द्वारा इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउन्सिल (आईआईसी) के सहयोग से प्रॉब्लम सॉल्विंग एंड आइडिएशन विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यशाला के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यह भी कहा कि आज के युग में बेहतरीन आइडिया विज्ञान के क्षेत्र में बड़े बदलाव ला सकता है। कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए आईआईसी के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. मनोज कुमार ने इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों को संरचित विचार तकनीकों के माध्यम से वास्तविक दुनिया की समस्याओं की पहचान करने और उनका समाधान करने के आवश्यक कौशल से लैस करना बताया। कार्यशाला के दौरान मुख्य अतिथि व रेप्चर बायोटेक, नॉएडा के फाउन्डर एवं सीईओ श्री मयंक राज भारद्वाज ने रचनात्मकता, नवाचार और रणनीतिक सोच को बढ़ावा देने के सम्बन्ध में आवश्यक टिप्स की अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई। उन्होंने बायोटेक्नॉलॉजी स्टूडेंट्स के प्रोफेशनल करियर में प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स और नए आईडिया के जेनरशन के महत्व पर भी विस्तार के साथ प्रकाश डाला। इस मौके पर कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. तंजील अहमद ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। साथ ही उन्होंने प्रतिभागियों को कार्यशाला के दौरान मुख्य अतिथि श्री भारद्वाज द्वारा उपलब्ध कराई गई महत्वपूर्ण जानकारियों को आत्मसात करने की सलाह भी दी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कार्यक्रम के आयोजन सचिव व बायोटैक्नोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. स्वप्न कुमार श्रीवास्तव, संयोजिका सुश्री कंचन लखेरा, डॉ. राशि श्रीवास्तव एवं डॉ. अंकित कुमार समेत स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के अन्य फैकल्टी मैम्बर्स का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में स्कूल के निदेशक प्रो. तंजील अहमद ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं समेत कई अन्य शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम में फाइनेंशियल प्लानिंग एंड कैपिटल मार्केट्स विषय पर हुआ कार्यशाला का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के इंडस्ट्री एकेडमीया इंटीग्रेशन एंड स्किल डेवलपमेंट सेल एवं स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट द्वारा इंटर्नल क्वालिटी एश्योरेंस सेल (आईक्यूएसी) के सहयोग से फाइनेंशियल प्लानिंग एंड कैपिटल मार्केट्स विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं व वर्तमान के आर्थिक परिदृश्य में वित्तीय साक्षरता और नियोजन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने छात्र विकास और पेशेवर विकास के लिए विश्वविद्यालय की ओर से किए जा रहे निरन्तर प्रयासों के बारे में भी विस्तार के साथ चर्चा की। कार्यशाला के दौरान मुख्य अतिथि व सेबी, सीडीएसएल एवं एनआईएसएम से संबद्ध प्रमाणित प्रतिभूति बाजार प्रशिक्षक डॉ. मुकुल जैन ने वित्तीय बाजारों की जटिलताओं और रणनीतिक वित्तीय नियोजन के महत्व के बारे में बहुमूल्य जानकारियां उपलब्ध कराईं। स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने व्यक्तिगत और पेशेवर सफलता में वित्तीय नियोजन की महत्वपूर्ण भूमिका के सम्बन्ध में जानकारी दी। उन्होंने कार्यशाला में सक्रिय रूप से शामिल होने और सीखने के इस अवसर का पूरा लाभ उठाने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित भी किया। वहीं स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के होटल मैनेजमेंट विभाग की विभागाध्यक्षा प्रो. मेघा भाटिया ने जानकारी दी कि कार्यशाला में वित्तीय नियोजन और पूंजी बाजारों में विद्यार्थियों के ज्ञान और कौशल को बढ़ाने के लिए इंटरैक्टिव सत्र और गतिविधियाँ शामिल रहीं। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों के पेशेवर कौशल को बढ़ाने में इस तरह की कार्यशालाओं के महत्व पर भी प्रकाश डाला। प्रो. भाटिया ने यह भी कहा कि इस कार्यशाला में विद्यार्थियों को वित्तीय क्षेत्र में अपना कॅरियर बनाने के लिए महत्वपूर्ण टिप्स की जानकारी प्राप्त हुई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. राकेश कुमार यादव, वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार सक्सेना समेत स्कूल के अन्य फैकल्टी मैम्बर्स डॉ. हिमांशु गुप्ता, डॉ. आरती गर्ग, डॉ. निधि चौधरी, सुश्री ज्योति सिंह एवं श्री अक्षय शर्मा का विशेष योगदान रहा। अंत में प्रो. भाटिया ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस कार्यशाला में स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के विभिन्न विभागों के 200 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में फाइनेंशियल प्लानिंग एंड कैपिटल मार्केट्स विषय पर हुआ कार्यशाला का आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के इंडस्ट्री एकेडमीया इंटीग्रेशन एंड स्किल डेवलपमेंट सेल एवं स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट द्वारा इंटर्नल क्वालिटी एश्योरेंस सेल (आईक्यूएसी) के सहयोग से फाइनेंशियल प्लानिंग एंड कैपिटल मार्केट्स विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं व वर्तमान के आर्थिक परिदृश्य में वित्तीय साक्षरता और नियोजन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने छात्र विकास और पेशेवर विकास के लिए विश्वविद्यालय की ओर से किए जा रहे निरन्तर प्रयासों के बारे में भी विस्तार के साथ चर्चा की। कार्यशाला के दौरान मुख्य अतिथि व सेबी, सीडीएसएल एवं एनआईएसएम से संबद्ध प्रमाणित प्रतिभूति बाजार प्रशिक्षक डॉ. मुकुल जैन ने वित्तीय बाजारों की जटिलताओं और रणनीतिक वित्तीय नियोजन के महत्व के बारे में बहुमूल्य जानकारियां उपलब्ध कराईं। स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने व्यक्तिगत और पेशेवर सफलता में वित्तीय नियोजन की महत्वपूर्ण भूमिका के सम्बन्ध में जानकारी दी। उन्होंने कार्यशाला में सक्रिय रूप से शामिल होने और सीखने के इस अवसर का पूरा लाभ उठाने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित भी किया। वहीं स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के होटल मैनेजमेंट विभाग की विभागाध्यक्षा प्रो. मेघा भाटिया ने जानकारी दी कि कार्यशाला में वित्तीय नियोजन और पूंजी बाजारों में विद्यार्थियों के ज्ञान और कौशल को बढ़ाने के लिए इंटरैक्टिव सत्र और गतिविधियाँ शामिल रहीं। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों के पेशेवर कौशल को बढ़ाने में इस तरह की कार्यशालाओं के महत्व पर भी प्रकाश डाला। प्रो. भाटिया ने यह भी कहा कि इस कार्यशाला में विद्यार्थियों को वित्तीय क्षेत्र में अपना कॅरियर बनाने के लिए महत्वपूर्ण टिप्स की जानकारी प्राप्त हुई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. राकेश कुमार यादव, वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार सक्सेना समेत स्कूल के अन्य फैकल्टी मैम्बर्स डॉ. हिमांशु गुप्ता, डॉ. आरती गर्ग, डॉ. निधि चौधरी, ज्योति सिंह एवं अक्षय शर्मा का विशेष योगदान रहा। अंत में प्रो. भाटिया ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यशाला में स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के विभिन्न विभागों के 200 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। वि0

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में प्रॉब्लम सॉल्विंग एंड आइडिएशन विषय पर हुआ कार्यशाला का आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी द्वारा इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउन्सिल (आईआईसी) के सहयोग से प्रॉब्लम सॉल्विंग एंड आइडिएशन विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यशाला के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यह भी कहा कि आज के युग में बेहतरीन आइडिया विज्ञान के क्षेत्र में बड़े बदलाव ला सकता है। कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए आईआईसी के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. मनोज कुमार ने इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों को संरचित विचार तकनीकों के माध्यम से वास्तविक दुनिया की समस्याओं की पहचान करने और उनका समाधान करने के आवश्यक कौशल से लैस करना बताया। कार्यशाला के दौरान मुख्य अतिथि व रेप्चर बायोटेक, नॉएडा के फाउन्डर एवं सीईओ श्री मयंक राज भारद्वाज ने रचनात्मकता, नवाचार और रणनीतिक स्किल्स और नए आईडिया के जेनरशन के महत्व पर भी विस्तार के साथ प्रकाश डाला।

सोच को बढ़ावा देने के सम्बन्ध में आवश्यक टिप्स की अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई। उन्होंने बायोटेक्नॉलॉजी स्टूडेंट्स के प्रोफेशनल करियर में प्रॉब्लम सॉल्विंग

इस मौके पर कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. तंजील अहमद ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। साथ ही उन्होंने प्रतिभागियों को कार्यशाला के दौरान मुख्य अतिथि श्री भारद्वाज द्वारा उपलब्ध कराई गई महत्वपूर्ण जानकारियों को आत्मसात करने की सलाह भी दी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कार्यक्रम के आयोजन सचिव व बायोटैक्नोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. स्वप्न कुमार श्रीवास्तव, संयोजिका सुश्री कंचन लखेरा, डॉ. राशि श्रीवास्तव एवं डॉ. अंकित कुमार समेत स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के अन्य फैकल्टी मैम्बर्स का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में स्कूल के निदेशक प्रो. तंजील अहमद ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं समेत कई अन्य शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। वि0

आईएफटीईएम विश्वविद्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया संविधान दिवस

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ लॉ द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के सहयोग से अत्यंत हर्षोल्लास व उत्सव के रूप में ह्यह्यसंविधान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने भारतीय संविधान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान कोई सामान्य दस्तावेज न होकर भारतीयों के मार्गदर्शन हेतु एक पवित्र ग्रंथ है, इसलिए इसे अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए। कार्यक्रम के संयोजक व एनएसएस इकाई के समन्वयक एवं स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि वर्ष 2015 से पहले इस दिन को विधि दिवस के रुप में मनाया जाता था, वर्ष 2015 में भारतीय सरकार द्वारा बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के 125 वे जन्म दिवस के उपलक्ष्य व उनके सम्मान में इस दिन को संविधान दिवस के रुप में मनाया जाने लगा।

इस मौके पर कार्यक्रम के सह संयोजक व स्कूल ऑफ लॉ के निदेशक प्रो. एस.बी. मिश्रा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह संविधान ही है जो हमें एक आजाद देश का आजाद नागरिक की भावना का एहसास कराता है। उन्होंने बताया कि जिस प्रकार संविधान के दिए मौलिक अधिकार हमारी ढाल बनकर हमें हमारा हक दिलाते हैं, ठीक उसी प्रकार इसमें दिए मौलिक कर्तव्य में हमें हमारी जिम्मेदारियां भी याद दिलाते हैं। सेमिनार के आयोजन सचिव व विधि विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. योगेन्द्र सिंह ने भी संविधान के इतिहास पर विस्तार से प्रकाश डाला एवं वर्तमान में संविधान की प्रासंगिकता को समझाया। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि भारत का संविधान दुनिया का सबसे लंबा लिखित संविधान है। कार्यक्रम का संचालन श्री विवेकानंद, सहायक प्रोफेसर द्वारा किया गया। अंत में स्कूल ऑफ लॉ के डॉ. उपेंद्र ग्रेवाल ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में स्कूल ऑफ लॉ के सभी शिक्षकों समेत लगभग 60 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। वि0